संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शनिवार, 17 जून 2023 | ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 14 अंकः 164 पृष्ठः 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने नवम्बर माह में प्रस्तावित 'छठवें आपदा प्रबंधन वैश्विक महासम्मेलन' की विवरणिका का विमोचन किया।

ज्ञानी रघुबीर सिंह अकाल तख्त के नए जत्थेदार

टीम एक्शन इंडिया/अमृतसर सिखों के सर्वोच्च श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह को बदल दिया गया है। उनकी जगह अब ज्ञानी रघुबीर सिंह श्री अकाल तख्त के नए और स्थायी जत्थेदार होंगे। साथ ही वह स्वर्ण मंदिर के हेड ग्रंथी के तौर पर भी अतिरिक्त सेवाएं निभाएंगे। रघुबीर सिंह अभी तक तख्त श्री केशगढ़ साहिब के जत्थेदार थे। अब तख्त श्री केशगढ़ साहिब के नए जत्थेदार ज्ञानी सुल्तान सिंह होंगे। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) की अंतरिम कमेटी की इमरजेंसी मीटिंग में इस बारे में फैसला लिया गया। एसजीपीसी प्रधान एडवाकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा- ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने यह पद स्वेच्छा से छोड़ा है। बैठक से पहले ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने उनसे फोन पर भी बात की है।

मांझी के बेटे से जबरन लिया गया इस्तीफाः नीतीश

टीम एक्शन इंडिया/पटना नीतीश कैबिनेट में एससी-एसटी कल्याण मंत्री और जीतन राम मांझी के बेटे डॉ. संतोष सुमन ने खुद से इस्तीफा नहीं दिया था। उनसे बिहार के सीएओम नीतीश कुमार ने इस्तीफा लिया था। इस बात की पुष्टि तब हो गई, जब नीतीश कुमार ने शुक्रवार खुद कहा कि वे विपक्षी एकता की बैठक में रहते तो मुखबिरी करते, यहां की रणनीति बीजेपी को जाकर बता देते। इधर, जीतन राम मांझी ने एनडीए की तरफ अपने कदम बढ़ा दिए हैं। दरअसल, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा सुप्रीमो जीतन राम मांझी लगातार महागठबंधन के खिलाफ बयान दे रहे थे।

देश में 100 से ज्यादा मोबाइल एप्स की निगरानी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली मोबाइल एप से होने वाले अपराध रोकने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी तैयारी की है। खुफिया एजेंसियों ने देश में चल रहे 100 से ज्यादा मोबाइल एप्स को संदिग्ध मानते हुए निगरानी शुरू कर दी है। केंद्रीय एजेंसियों से जुड़े सूत्र बताते हैं कि एप के अपराध का नेटवर्क 5 हजार करोड़ रु. से ज्यादा का है। वोलरेंट, आयत गन सिमुलेटर, टीम फाइट, रॉयट (हिंदी में इसका अर्थ दंगा होता है) और डिस्कॉर्ड जैसे कई एप हैं, जिन पर धर्म परिवर्तन कराने का शक है। गेम में आगे बढ़ने के लिए कुरान की आयतों के सवाल पूछे जाते हैं। जवाब हासिल करने की प्रकिया में जाकिर नाईक जैसे मुस्लिम धर्मगुरुओं के वीडियो शेयर होते हैं, जिन्हें देखते-देखते ही सवालों के जवाब मिलते हैं।

बंगाल पंचायत चुनावः सेंट्रल फोर्स तैनात करने का निर्देश

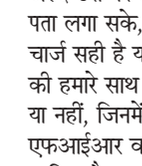

टीम एक्शन इंडिया/कोलकाता पश्चिम बंगाल में 8 जुलाई को पंचायत चुनाव होने हैं। वोटिंग से पहले राज्य में कई जगह हिंसा हो रही है। जिसको लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य के सभी जिलों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग को 48 घंटे के भीतर केंद्रीय बलों के लिए केंद्र से अनुरोध करना होगा। मगर कोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार ने रिव्यू पिटीशन दाखिल कर दी है। इस बीच शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस दक्षिण 24 परगना के भांगर पहुंचे, जहां पिछले कई दिनों से हिंसा हो रही है। उन्होंने कहा, मैंने हिंसा के पीड़ितों और स्थानीय लोगों से बातचीत की।

गुजरात में 'बिपरजॉय' से मची भारी तबाही

2 की मौत, 22 घायल, 940 गांवों की बिजली गुल, अब तक 94 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया

राजस्थान में अलर्ट

- बिपरजॉय से राजस्थान में मूसलाधार बारिशः 17 ट्रेनें रद्द, कोचिंग सेंटर समेत सब बंद

टीम एक्शन इंडिया/अहमदाबाद

बिपरजॉय तूफान के जखौ तट से टकराने के बाद गुजरात में भारी नुकसान हुआ। इसका असर कच्छ-सौराष्ट्र समेत 8 जिलों में रहा। यह अपने पीछे भारी तबाही छोड़ गया है। जगह-जगह पेड़ और खंभे गिर गए। तूफान के कारण भावनगर में 2 लोगों की मौत हुई। 22 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अब तक 94 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। कच्छ में मांडवी, नलिया, नारायण सरोवर, जखौ पोर्ट, मुंद्रा और गांधीधाम समेत पूरे राज्य में तेज बारिश हो रही है। 90 से 125 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। 940 से ज्यादा गांवों की बिजली गुल हो गई है। वहीं, बाढ़ और रास्ते बंद होने से 4600 ग्रामीण इलाकों का संपर्क टूट गया है।

बिपरजॉय के कारण राजस्थान में भारी बारिश

टीम एक्शन इंडिया/जयपुर

बिपरजॉय तूफान गुजरात के बाद शुक्रवार को राजस्थान पहुंच गया है। निचले इलाकों में पानी भर गया। जालोर में भी रेड अलर्ट है और यहां तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। जालोर में शुक्रवार सुबह तक 69 एमएम बारिश दर्ज की गई है। इधर, जैसलमेर में भी आंधी-बारिश जारी है। बाड़मेर और सिरोही में तेज हवाओं की वजह से पेड़ और पोल गिर गए हैं। तूफान के चलते शुक्रवार और शनिवार को मिलाकर राजस्थान के 5 जिलों में बहुत भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट, जबकि 13 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

गुरुवार शाम साढ़े छह बजे जखौ तट से टकराया था तूफानः बिपरजॉय तूफान गुरुवार शाम साढ़े छह बजे कच्छ के जखौ तट से टकराया था। लैंडफॉल आधी रात तक चला। इस दौरान हवाओं की रफ्तार 115 से 125 किमी प्रति घंटे रही।

इससे पहले कच्छ, द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, राजकोट, जूनागढ़, गांधीधाम और मोरबी समेत तटीय इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। अब तूफान उत्तर- दक्षिण राजस्थान की तरफ बढ़ रहा है।

बॉर्डर के पांच गांव से 5 हजार लोगों को निकाला

बाड़मेर कलेक्टर अरूण पुरोहित ने बताया कि अगले 36 घंटे जिले के लिए अहम हैं। पाकिस्तान बॉर्डर से सटे पांच गांव बाखासर, सेड़वा चौहटन, रामसर, धोरीमना गांव के 5 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। इधर, जैसलमेर के डाबला गांव से 100 परिवारों के 450 लोगों को शिफ्ट किया गया है। नरेगा के काम और महंगाई राहत शिविर रुकवा दिए गए हैं।

गुजरात में तबाही, सरकार नुकसान का आकलन करेगी... गुजरात में तेज हवाओं के चलते सैकड़ों पेड़ गिर गए। मोबाइल टॉवर क्षतिग्रस्त हुए, बिजली के खंभे उखड़ गए।

अधिकारी के मुताबिक, '23 जानवरों की मौत हो गई। गुजरात में विभिन्न स्थानों पर तेज हवाओं के साथ 524 से अधिक पेड़ और 300 से ज्यादा बिजली के खंभे गिर गए, जिससे लगभग 940 गांवों में बिजली की आपूर्ति ठप हो गई है।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सोनभद्र में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का मॉडल देखते हुए।

जीएसटी परिषद की बैठक 11 जुलाई को

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित मामलों के शीर्ष निकाय जीएसटी परिषद की 50वीं बैठक 11 जुलाई को होगी। इस बैठक में फर्जी पंजीकरण और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के जरिए होने वाली धोखाधड़ी पर नकेल कसने सहित कई मुद्दों पर चर्चा होगी। जीएसटी परिषद ने एक ट्वीट में कहा कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 11 जुलाई को परिषद की 50वीं बैठक नई दिल्ली में आयोजित होगी। बैठक में जीएसटी परिषद ऑनलाइन गेमिंग, कैसिनो और घुड़दौड़ पर टैक्स लगाने के मुद्दे पर जीओएम की रिपोर्ट पर भी चर्चा करेगी।

जी-20 : कृषि मानव सभ्यता के केंद्र में हैः मोदी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि एक कृषि मंत्री की जिम्मेदारियां केवल अर्थव्यवस्था के एक क्षेत्र को संभालने तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि मानवता के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में विस्तारित है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा हासिल करने के लिए मंत्रियों से सामूहिक कार्रवाई करने के तरीकों पर चर्चा करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी आज वीडियो संदेश के माध्यम से जी-20 कृषि मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए अपनी बात रख रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि मानव सभ्यता के केंद्र में है। उन्होंने उल्लेख किया कि एक कृषि मंत्री की जिम्मेदारियां केवल अर्थव्यवस्था के एक क्षेत्र को संभालने तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि मानवता के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में विस्तारित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि विश्व स्तर पर 2.5 अरब से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करती है। ग्लोबल साउथ में, कृषि सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान देती है और 60 प्रतिशत से अधिक नौकरियां कृषि पर निर्भर हैं। आज ग्लोबल साउथ के सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि महामारी के कारण आपूर्ति श्रृंखला में हुए व्यवधान, भू-राजनीतिक तनावों की वजह से और भी चिंताजनक हो गए हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण चरम मौसम की घटनाएं अधिक बार सामने आ रहीं हैं। इन चुनौतियों को ग्लोबल साउथ द्वारा सबसे अधिक महसूस किया जा रहा है। मोदी ने कृषि मंत्रियों से वैश्विक खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने के लिए सामूहिक कार्रवाई करने के तरीकों पर विचार-विमर्श करने का आग्रह किया। उन्होंने एक स्थायी और समावेशी खाद्य प्रणाली बनाने के तरीके खोजने का सुझाव दिया जो सीमांत किसानों पर केंद्रित हो और वैश्विक उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करे। साथ ही, प्रधानमंत्री ने बेहतर मृदा स्वास्थ्य, फसल स्वास्थ्य और उपज के लिए कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों की पारंपरिक तौर-तरीके हमें पुनः-पोषित कृषि के विकल्प विकसित करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं।

सीमित नहीं...

- एक कृषि मंत्री की जिम्मेदारियां मानवता के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में विस्तारित हैं : पीएम

थर्मोकॉल बॉल्स में 26 करोड़ की ड्रग्स की तस्करी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने दिल्ली एयरपोर्ट से थर्मोकॉल बॉल्स में छुपी 26.5 करोड़ रुपए की कोकीन बरामद की। ये कोकीन कूरियर के जरिए सप्लाई हो रही थी। खुफिया जानकारी के आधार पर, डीआरआई की दिल्ली जोनल यूनिट ने कूरियर खेप को रोक दिया। जांच में 1,922 ग्राम कोकीन बरामद हुई। उनमें दो क्रिस्टल ग्लासवेयर सजावटी बाउल निकले। ग्लॉस से बने ये बाउल टूटे न, इसके लिए उन्हें थर्मोकॉल के साथ रखा गया था। जांच में पता चला कि थमाकोल की कुछ बॉल्स बाकी की तुलना में थोड़ी भारी (1-2 ग्राम) थीं। करीब 10 हजार थमाकोल बॉल्स को जब खोला गया तो उसमें 972 बॉल्स में व्हॉइट पाउडर की पॉलीथीन मिलीं। पाउडर की जांच करने पर यह कोकीन निकला।

'सेमीकंडक्टर उद्योग से आईटी क्षेत्र को मिलेगा बढ़ावा'

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

हिमाचल प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी आईटी क्षेत्र के विकास की अपार क्षमता है। राज्य सरकार प्रदेश में सेमीकंडक्टर उद्योग की स्थापना के लिए आवश्यक प्रोत्साहन एवं सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में आईटी उद्योग के विकास के लिए सरकार द्वारा अधोसंरचना, मानव संसाधन, नीतिगत ढांचा और बाजार की मांग को ध्यान में रखते हुए भविष्य की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। प्रदेश में सेमीकंडक्टर उद्योग को दिए जा रहे प्रोत्साहन पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि सरकार आईटी क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों की विशेषज्ञता और उपलब्ध संसाधनों से लाभ उठाने के लिए सहयोग और साझेदारी की सम्भावनाएं तलाश रही है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार ने डिजिटल गवर्नेंस के लिए मुख्यमंत्री परिषद का गठन किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल में सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीति तैयार की जाएगी, जिसके लिए जल्द ही एक कमेटी का गठन किया जाएगा।

कुपवाड़ा में 5 विदेशी आतंकी मारे गए

सेना ने एनकाउंटर में मार गिराया, इस साल जिले में घुसपैठ की पहली कोशिश

टीम एक्शन इंडिया/श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के विजय कुमार ने बताया कि इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। कुपवाड़ा सेक्टर में इस साल घुसपैठ की यह पहली बड़ी कोशिश है। कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट कर बताया- कुपवाड़ा जिले के एलओसी से लगे जुमागुंड एरिया में पुलिस को आतंकियों के घुसपैठ का इनपुट मिला था। इसके बाद सेना और पुलिस की कम्बाइंड टीम ने सर्च ऑपरेशन में इन पांचों आतंकियों को ढेर कर दिया। सर्च ऑपरेशन अभी जारी है।

13 जून को 2 आतंकी मारे गए थेः इससे पहले 13 जून को कुपवाड़ा जिले में ही एलओसी से लगे दोबनार मच्छल इलाके में सेना और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए थे। जम्मू-कश्मीर में एक्टिव आतंकी संगठनों ने अपने ओवर ग्राउंड वर्कर्स के रूप में महिलाओं, लड़कियों और नाबालिग बच्चों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। वे इनसे हथियार, मैसेज और ड्रग्स की सप्लाई करवा रहे हैं। चिनार कॉर्प्स के लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह औजला ने यह जानकारी दी है। जम्मू कश्मीर के करमारा सेक्टर में एलओसी के पास भारतीय सेना ने तीन आतंकवादियों को पकड़ा।

20 से 25 जून तक अमेरिका-मिस्र के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 से 25 जून तक अमेरिका और मिस्र की राजकीय यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के न्यौते पर पीएम मोदी अमेरिका की आधिकारिक राजकीय यात्रा करेंगे। यात्रा न्यूयॉर्क से शुरू होगी। 21 जून को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह की अगुवाई करेंगे। इसके बाद पीएम मोदी वाशिंगटन डीसी जाएंगे।

मणिपुरः भीड़ ने विदेश राज्य मंत्री का घर जलाया

टीम एक्श इंडिया/इंफाल

मणिपुर में 3 मई से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर जातीय हिंसा चल रही है। 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी। गुरुवार देर रात फिर हिंसा हुई। कुछ लोगों ने भाजपा सांसद और केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह के इंफाल स्थित घर में आग लगा दी। घटना के वक्त मंत्री केरल में थे। सिंह मैतेई समुदाय के हैं। राजकुमार रंजन सिंह ने कहा, कल रात जो हुआ उसे देखकर बेहद दुख हुआ। मुझे बताया गया कि 50 से अधिक लोगों ने रात करीब 10 बजे मेरे घर पर हमला किया। सिंह ने कहा- मैं हिंसा की घटनाओं से हैरान हूं। मणिपुर में कानून-व्यवस्था पूरी तरह फेल हो चुकी है। पिछले 20 दिन में मणिपुर के मंत्रियों और विधायकों के घरों पर हमले का यह चौथा मामला है। इससे पहले 14 जून को इंफाल के लाम्फेल इलाके में उद्योग मंत्री नेमचा किपजेन के सरकारी बंगले में आग लगा दी गई थी। किपजेन उस समय घर पर नहीं थीं। 8 जून को भाजपा विधायक सोराईसाम केबी के घर आईईडी से हमला हुआ था। दो लोग बाइक से आए और उन्होंने खुले गेट के अंदर आईईडी बम फेंक दिया था।

कानून व्यवस्था फेल

- कुछ लोगों ने भाजपा सांसद और केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह के इंफाल स्थित घर में आग लगा दी

2 महिला पहलवानों के साथ छेड़छाड़ का आरोप

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर 6 महिला पहलवानों यौन शोषण केस में बनी चार्जशीट में नए खुलासे हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली पुलिस की जांच में 6 में से 2 महिला पहलवानों के साथ छेड़छाड़ और एक का रास्ता रोकने या पीछा करने का मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस को कॉल डिटेल्स से कुछ खास हाथ नहीं लगा है। इसकी वजह ये है कि टेलिकॉम कंपनियां एक साल से ज्यादा का कॉल रिकॉर्ड नहीं रखतीं। चार्जशीट पेश होने के बाद साक्षी मलिक ने कहा- अब स्पष्ट हो गया है कि बृजभूषण कसूरवार हैं। साक्षी ने कहा कि हमारे वकील ने चार्जशीट की कॉपी के लिए एप्लिकेशन दी है, ताकि हमें जल्द से जल्द उस पर लगाए चार्ज के बारे में पता लगा सके, हम देखेंगे कि वह चार्ज सही है या नहीं। यह भी देखेंगे की हमारे साथ किए गए वादे पूरे हुए या नहीं, जिनमें हमारे ऊपर दर्ज एफआईआर वापस लेने की बात भी शामिल है।

रास्ता रोकने या पीछा करने का केस 2012 काः दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक बृजभूषण पर जो रास्ता रोकने या पीछा करने का केस है, वह 2012 का है। इसमें शिकायत करने वाली महिला पहलवान ने शिकायत की थी कि बृजभूषण ने एक टूर्नामेंट के दौरान उसकी मां से बात की और उसे अपने कमरे में बुलाकर कस कर गले लगाया।

उग्र हुआ प्रदर्शन

गुस्साई भीड़ ने हत्याकांड के मुख्य आरोपी के घर को लगाई आग

मनोहर हत्याकांड क्षेत्र में स्थिति बिगड़ी, धारा 144 लागू

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद

चंबा जिला में हुए मनोहर हत्याकांड से पूरा जिला में रोष व्यापक हुआ है तथा हालात बिगड़ गए हैं। हालात को देखते हुए पूरे सलूणी उपमंडल में प्रशासन को धारा 144 लागू करनी पड़ी है। बीते रोज गुस्साई भीड़ ने इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी के घर को आग के हवाले कर दिया। पहले भीड़ द्वारा किहार थाना के बाहर भारी संख्या में जमा होकर धरना प्रदर्शन किया तथा नारेबाजी की एसपी चंबा ने भीड़ को बताया कि इस मामले के हत्यारे पकड़ लिए गए हैं और उन पर कार्रवाई की जा रही है मगर भीड़ कुछ सुनने को तैयार ही नहीं थी जिस बात की आशंका थी वही हुआ धरने प्रदर्शन के बाद यह भीड़ मुख्य आरोपी के घर की ओर चली गई तथा उसके घर को आग के हवाले कर दिया। हालात बिगड़ते हुए देखकर प्रशासन को सलूणी उपमंडल में धारा 144 लगानी पड़ी। इस हत्याकांड के विरोध में क्षेत्र के सभी बाजार बंद रहे। दूसरी ओर जिला मुख्यालय में भी बजरंग दल सहित अन्य धार्मिक संगठनों ने रोष प्रदर्शन कर सरकार तथा प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी की तथा मांग की की हत्या के आरोपियों को फांसी दी जाए। कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए पुलिस बलों की तैनाती की गई है ताकि शांति भंग ना हो सके। दूसरी ओर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर जब भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल पूर्व वन मंत्री राकेश पठानिया पूर्व विधायक विक्रम जरिया तथा विधायक हंसराज तथा डीएस ठाकुर के साथ पीड़ित परिवार को सांत्वना देने जा रहे थे तो पुलिस ने चौहड़ा पुल के पास उन्हें रोक लिया तथा आगे जाने नहीं दिया इस पर जयराम ठाकुर सहित सभी लोग वहां धरने पर बैठ गए जयराम ठाकुर ने इस संदर्भ में बताया कि उन्होंने पुलिस प्रशासन को यह कहा कि वह मात्र संवेदना प्रकट करने आए हैं।

भीड़ सुनने को तैयार नहीं

- एसपी चंबा ने भीड़ को बताया कि इस मामले के हत्यारे पकड़ लिए गए हैं और उन पर कार्रवाई की जा रही है

ACTION INDIA
देहरादून, 17 जून 2023
दैनिक एक्शन इंडिया
www.actionindialive.com

'पीएम नरेंद्र मोदी ने विश्वभर में भारत का लोहा मनवाया'

भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रूबल शर्मा ने दिखाया दम, सफल संयुक्त मोर्चा सम्मेलन पर संगठन ने दी शाबाशी

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)

जिले की थानेसर विधानसभा में संयुक्त मोर्चो के बैनर तले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केंद्र में नो साल पूरे होने पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे थानेसर से हजारों लोगो ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रूबल शर्मा ने किया वहीं कार्यक्रम में किसान मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, एससी मोर्चा, महिला मोर्चा और पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारिओं ने भाग लिया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कुरुक्षेत्र जिला प्रभारी जी एल शर्मा ने बतौर मुख्य वक्ता कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. पवन सैनी, पशुधन विकास बोर्ड

▶ मोदी की नीतियों का विपक्ष तो क्या चीन और पाकिस्तान के पास भी तोड़ नहीं है

चेयरमैन धर्मबीर मिजापुर, पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार सैनी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष परमजीत कश्यप, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष सुलतान अजराना, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष फूल सिंह पाल, किसान मोर्चा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर भाजपा कुरुक्षेत्र जिला अध्यक्ष रवि बतान और महामंत्री जसविंद्र सैनी और सर्वजीत सिंह हैप्पी विर्क समेत युवा मोर्चा के सभी मंडल अध्यक्षों जिला पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

इस मौके पर पार्टी जिलाध्यक्ष रवि बतान ने संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान

में आयोजित सफल कार्यक्रम के लिए रूबल शर्मा और अन्य मोर्चा पद्धाधिकारियों को बधाइयां दी। इस मौके भाजपा महामंत्री डॉक्टर पवन सैनी, जिला प्रभारी जीएल शर्मा ने पत्रकारों को सम्मेलन के बारे जानकारी दी। इस मौके पर जीएल शर्मा ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने विश्वभर में भारत का लोहा मनवाया है। मोदी की नीतियों का विपक्ष तो क्या चीन और पाकिस्तान के पास भी तोड़ नहीं है। जीएल शर्मा ने दावा किया कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाएगी। इस मौके पर भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व विधायक डॉक्टर पवन सैनी ने कहा कि भाजपा का मजबूत संगठन और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां आमजन को भा रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार और पीएम मोदी के नो साल गरीब कल्याण और सेवा सुशासन को समर्पित हैं। इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष राहुल राणा ने कहा कि युवा मोर्चा देश की राजनीति और बीजेपी संगठन की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा और पीएम मोदी के नो सेल भाजपा युवाओं की तरक्की और किसान की खुशहाली को समर्पित हैं। राहुल राणा ने संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ का अभिवादन किया।

इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रूबल शर्मा ने कहा कि भाजपा की नीति रीती से जुड़ना उनके लिए गौरव की बात है। रूबल ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार और प्रदेश की मनोहर सरकार देश के विकास को समर्पित है। रूबल ने कार्यक्रम में उमड़ी हजारों लोगो की भीड़ का आभार व्यक्त किया। थानेसर शहर के लोग भाजपा और युवा मोर्चा को अपना आशीर्वाद देने यहां पंहुचे हैं ये उनका सौभाग्य है।

छात्र-छात्राओं को दिया जा रहा है मूर्तिकला का प्रशिक्षण

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) राजकीय आदर्श संस्कृत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र में 1 जून 2023 से ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यालय परिसर में 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम टावर उत्सव का आयोजन शिक्षा विभाग के आदेशानुसार प्रधानाचार्य डा. सचिंद्र कुमार की अध्यक्षता में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में बच्चों को विभिन्न कला निपुणताओं का प्रशिक्षण जिसमें आधुनिक मूर्ति शिल्प कला, क्ले-मॉडलिंग, रिलीफ एवं थ्रीडी स्कल्पचरल आर्ट में हरियाणा की संस्कृति के आधार पर दिया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक गोपाल ने छात्र-छात्राओं विभिन्न शिल्प कलाओं में दक्ष करने का काम किया जा रहा है।

आयुष विभाग द्वारा कई स्थानों पर योग जागरूकता यात्रा निकाली

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी शशिकांत शर्मा ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तर पर तथा 5 ब्लॉकों में कार्यक्रम होने सुनिश्चित हुए हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से योग की महत्वता बारे लोगों को जागरूक करने का काम किया जायेगा। इसी कड़ी में योग के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए आयुष विभाग के योग सहायकों द्वारा कई स्थानों पर योग जागरूकता यात्रा निकाली गई। इस योग जागरूकता यात्रा में दंपिंदर कौर द्वारा गांव बाड़ा एंव धुराली में, इन्दु शेखर द्वारा बब्याल एवं अटल पार्क तोपखाना अम्बाला

छावनी में, श्रीमति नीरू अग्रवाल द्वारा सुभाष पार्क अम्बाला छावनी में, श्रीमति रजनी वर्मा द्वारा गांव धुरकड़ा में, जसबीर द्वारा गांव उपलाना में, नरेन्द्र द्वारा गांव सपेरा में, धर्मवीर द्वारा गांव धीन में, मोहित द्वारा गांव सरदेहडी में, श्रीमति मधु द्वारा गांव शेरपुर में, श्रीमति प्रिति द्वारा मुलाना में, श्रीमति सारदा द्वारा सिविल अस्पताल अम्बाला शहर में योग जागरूकता यात्रा आयुष विभाग अम्बाला तथा हरियाणा योग आयोग के बैनर के साथ निकाली गई तथा आमजन को योग करे रोज करे, वसुधैवकुटुम्बकम, योग करें भविष्य सुधारे, योग है जीवन का आधार आदि सलोग्नो के साथ योग की महत्वता बारे संदेश देने का काम किया गया।

समर कैंप में बच्चे सीख रहें नृत्य, आर्ट एंड क्राफ्ट व जूडो-कराटे

टीम एक्शन इण्डिया/कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक) जिला बाल कल्याण परिषद कुरुक्षेत्र द्वारा बाल भवन कुरुक्षेत्र, पिहोवा व लाडवा में बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस समर कैंप का आयोजन जून माह में किया जाता है तथा यह 30 जून तक चलेगा, जिसमें कोई भी बच्चा अपनी रूचि अनुसार भाग ले सकता है। इस समर कैंप में बच्चों को नृत्य, आर्ट एंड काफट, जूडो कराटे आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कैंप में न केवल बच्चों का सर्वागीण विकास होता है बल्कि बच्चे मिलजुल कर रहने की प्रेरणा भी ले रहे है। इस शिविर में 225 बच्चे नृत्य, आर्ट एंड काफट, जूडो-कराटे, मेंहदी आदि का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें है।

विधायक व मेयर के ठगबंधन ने अम्बाला शहर को किया बेहाल: सुशील गुप्ता

एक महीने बाद अगला टैंट विधायक व मेयर के घर के बाहर लगाउँगा: विनोद धीमान

▶ प्राशनिक अधिकारियो द्वारा चार दिन से अनशन पर बैठे लोगो की सुध ना लेना बहुत ही निंदनीय है

टीम एक्शन अम्बाला/अम्बाला (मनीष कुमार)

खट्टर सरकार द्वारा लागु एनडीसी व गलत प्रॉपर्टी आईडी के खिलाफ चार दिन से धरने पर बैठे आम आदमी पार्टी के नेता विनोद धीमान के अनशन पर आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद सुशील गुप्ता व राष्ट्रीय सहसचिव निर्मल सिंह ने धरनास्थल पर पहुंचकर विनोद धीमान को जूस पिलाकर धरना समाप्त करवाया। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सुशील गुप्ता ने अम्बाला शहर के जगाधरी गेट पर उमड़े जनसैलाब को सम्बोधित करते हुए कहा की यह सरकार गूंगी बेहरी सरकार है। अम्बाला शहर के स्थानीय विधायक व मेयर और प्राशनिक अधिकारियो द्वारा चार दिन से अनशन पर बैठे लोगो की सुध ना लेना बहुत ही निंदनीय है। वैसे इस सरकार से उम्मीद भी नहीं की जा सकती क्योंकि किसान आंदोलन में लगभग 700 किसानो की शाहदत पर भी केंद्र की भाजपा सरकार ने कोई संवेदना प्रकट नहीं की इससे लगता है की इस सरकार को लोगो की कोई चिंता नहीं है। सांसद सुशील गुप्ता ने कहा की अम्बाला शहर के स्थानीय विधायक व मेयर में गुप्त गठबंधन है। जिसको ठगबंधन कहा जाये तो ज्यादा ठीक

होगा क्योंकि अम्बाला शहर से मात्र दस किलोमीटर दूर विधायक व मेयर के चहेतो की कॉलोनियां एप्रूव्ड हो जाती है और सौ साल से पुराने बसे अम्बाला शहर का अनएप्रूव्ड हो जाना इनके ठगबंधन को जगजाहिर करता है। अम्बाला शहर के जगाधरी गेट पर पहुँचे सेकड़ो लोगो को सम्बोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय सहसचिव निर्मल सिंह ने कहा की 2019 के विधानसभा चुनाव में अम्बाला शहर के स्थानीय विधायक ने अम्बाला शहर को स्मार्ट सिटी बनाने की बात कही थी।

बराड़ा में किसानों के अधिकारों हेतू एक ग्रास रूट लेवल कार्यक्रम आयोजित

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम सौरभ गुप्ता ब्लाक बराड़ा, अम्बाला पहुचे जहां किसानों के अधिकारों हेतू एक ग्रास रूट लेवल कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम मे ब्लाक साहा व बराड़ा के सभी सरपंचों को आमंत्रित किया गया था। इस मौके पर सौरभ गुप्ता, सी जे एम एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बाला के साथ जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, अम्बाला, डिप्टी डायरेक्टर एग्रीकल्चर, अम्बाला व लिड बैंक मैनेजर, अम्बाला व पैनल अधिवक्ता मनु रस्तोगी भी उपस्थित थे। डिप्टी डायरेक्टर एग्रीकल्चर, अम्बाला व

लिड बैंक मैनेजर, अम्बाला ने उपस्थित सरपंचों को हरियाणा सरकार द्वारा पारित किसानों संबंधित योजनाओं से अवगत करवाया व मनु रस्तोगी, पैनल अधिवक्ता ने किसानों व जन साधारण को उपलब्ध मुफ्त कानूनी सेवाओं की जानकारी दी। सौरभ गुप्ता, सी जे एम एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बाला ने उपस्थित सरपंचों से आग्रह किया कि वे इस कार्यक्रम मे प्रदान की जानकारी को किसानो व जन

▶ अम्बाला छावनी पहुचे जहां कैम्पेन एजिंग विद डिगनिटी के अंतर्गत वरिष्ट नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं बारे जानकारी दी

कल्याण मे उपयोग करे व जन साधारण को इन योजनाओं व मुफ्त कानूनी सेवाओं बारे जागरूक करे। इसके बाद सौरभ गुप्ता, सी जे एम एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बाला अपना घर वरिष्ट नागरिक सदन, अम्बाला छावनी पहुचे जहां कैम्पेन एजिंग विद डिगनिटी के अंतर्गत वरिष्ट नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं बारे जानकारी दी और वरिष्ट नागरिकों से बातचीत की।

लाडवा हल्के के गांवों में खोले जाएंगे दस सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र/लाडवा (दलबीर मलिक) स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि उनका सपना है कि लाडवा हल्के की प्रत्येक महिला अपने पैरों पर खड़ी हो और आत्मनिर्भर बने।समाजसेवी संदीप गर्ग गुरूवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन की ओर से लाडवा हल्के में अभी 16 सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र चलाए जा रहे हैं। जिन पर कई महिलाएं कपड़े सिलना सीखकर अपने पैरों पर खड़ा होकर अपने आप को आत्मनिर्भर बना रही है।

नशे के दुष्परिणामों व खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने बारे चलाया जागरूकता अभियान

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार) अम्बाला पुलिस ने जिला अम्बाला में नशे की रोकथाम, नशे से दूर रहने, नशे के दुष्परिणामों व खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने बारे आम नागरिको विशेषकर युवाओं को जागरूक करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान की शुरूआत की है, जिससे कि नागरिक विशेषकर युवा नशे से दूर रहकर खेलकूद प्रतियोगिता में भाग ले सकें। इस अभियान के दौरान 14 जून 2023 को थाना नग्गल क्षेत्र गावँ नड़ियाली स्कूल में प्रबन्धक थाना नग्गल निरीक्षक सुनीता ढाका व इन्चार्ज एन्टी-नारकोटिक-सैल अम्बाला उप-निरीक्षक विनोद

कुमार ने आम नागरिको विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों व खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने बारे जागरूक करते हुए वालीबाल का मैच करवाया और नशे से दूर रहने, नशे के दुष्परिणामों तथा नशा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने बारे जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक अम्बाला ने सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों व प्रबन्धक थाना को निर्देश दिए हैं कि थानाधिकार क्षेत्रों में नशें की रोकथाम के लिए आमजन से सम्पर्क कर नशा बेचने/खरीदने वालों का पता लगाकर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करें और आमजन विशेषकर युवाओं को नशे से दूर रहने, उसके दुष्परिणामों बारे जागरूक कर उन्हें खेलकूद प्रतियोगिता बारे प्रेरित करें जिससे समाज नशामुक्त हो सके।

पुलिस अधीक्षक अम्बाला ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वह नशे की लत में न पड़ें और यदि कोई उन्हें इस लत में डालना चाहता है तो उसकी सूचना तुरन्त पुलिस को दें जिससे उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा सके। युवावर्ग नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें, पढ़ाई में अपना मन लगाये, अपना व राष्ट्र का भविष्य अन्धकारमय होने से बचायें।

नशा आदमी को अन्दर ही अन्दर से खोखला कर देता है जिससे उसमें सोचने-समझने की शक्ति नहीं रहती। युवावर्ग बुरी संगत में पड़कर अपना व अपने परिवार का भविष्य अंधकारमय बना देता है। इस कार्य में नागरिक पुलिस को पूर्ण सहयोग दें।

अपराधी तत्वों को रोकने के लिए गांव कैंथला खुर्द में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे

मनोहर सरकार में गांव हो रहे हैं विकसित : बलदेव सिंह सैनी

टीम एक्शन इण्डिया/ कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)

गांव कैंथला खुर्द के सरपंच मास्टर बलदेव सिंह का कहना है कि मनोहर लाल की सरकार में गांव का हो रहा है चहुमुखी विकास। हरियाणा में भाजपा गठबंधन की सरकार गांव के चहुमुखी विकास के लिए धनराशि देने में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं छोड़ रही इसीलिए गांव में चिकित्सा, शिक्षा, बिजली, पानी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का हो रहा है पूर्ण प्रबंध। ग्राम सरपंच मास्टर बलदेव सिंह सैनी ने बताया कि गांव कैंथला खुर्द एवं कैंथला कलां का चप्पा चप्पा सीसीटीवी

कैमरे की निगरानी में है, कोई भी अपराधी तत्व किसी प्रकार की शरारत नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि गांव में जब से छोटी सरकार अर्थात् ग्राम पंचायत चुन कर के आई है तब से गांव में चहुमुखी विकास हो रहा है ।गांव में जो भी ग्रामीणों के समक्ष समस्या आती है तुरंत विधायक और सांसद के संज्ञान में लाकर उसका समाधान करने का हर संभव प्रयास किया जाता है। उन्होंने बताया कि कैंथला खुर्द में सरकार ने बेहतरीन चिकित्सा भवन बनाया है। पानी के लिए नए सिरे से समर्सिबल लगवाया गया है।

गांव के बाहर एक बड़ा पुल बन रहा है जो शीघ्र ही बन कर तैयार हो जाएगा जिससे गांव वालों को आने जाने में बेहतर सुविधा होगी। ग्राम पंचायत के सभी सदस्य गांव की हर समस्या पर निगरानी रखते हैं और तुरंत समस्या के समाधान के लिए प्रयास शुरू कर देते हैं ।गांव कैंथला खुर्द और कैंथला कलां के ग्रामीण सरपंच मास्टर बलदेव सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रहे विकास कार्यों से बेहद खुश हैं।

उत्तर रेलवे
G20
आज़ादी का अमृत महोत्सव
निविदा सूचना

विभाग	Electrical (TRD)	टैंडर नं.	T-05-TRD-MB-23-24
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल के ट्रैक्शन स्टेशन की रिमॉडलिंग के संबंध में फेज-3 के ओएचई संशोधन का कार्य।		
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	10.07.2023 at 15:00 hrs		
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹2,53,35,587.26/- (18% जीएसटी सहित)		
बिड सिक्योरिटी राशि (₹):	₹2,76,700/-	निविदा प्रपत्र मूल्य (₹):	शून्य
ऑफर की वैधता (दिन)	90 दिन		
कार्य पूरा करने की अवधि	12 माह		
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद		

सं.: Elect/TRD/MB/2023-24/TN-05 दिनांक: 16.06.2023 1873/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
G20
आज़ादी का अमृत महोत्सव
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप-मुख्य विद्युत अभियन्ता / निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के अन्तर्गत ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:-

ई-निविदा एनआईटी संख्या	17-विद्यु / नि. / टी.आर.डी. / जी.पी.एस. / यू.एम.बी. / 134
कार्य का नाम व स्थान	अम्बाला मंडल के (i) गंगलहेड़ी-तलवाड़ा स्टेशन में दौलतपुर चौक से तलवाड़ा के बीच नई लाइन (ii) चंडीगढ़-बद्दी सेक्शन के चंडी मन्दिर स्टेशन पर बाई पास लाइन के सम्बन्ध में 25 केवी.ए.सी. सिंगल फेज ओ.एच. ई. की डिजाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग, कमीशनिंग व मोडिफिकेशन कार्य का प्रावधान, साथ में दोनों सेक्शन में जनरल पावर सप्लाई (जीपीएस) इलेक्ट्रिफिकेशन कार्य का प्रावधान।
कार्य पूरा करने की अवधि	18 (अट्ठारह) माह
कार्य की अनुमानित लागत	₹11,72,35,100.95 (टीआरडी ₹9,89,11,129.42 + जीपीएस ₹1,83,24,971.53)
बोली प्रतिभूति (ऑनलाईन) जमा कराने के लिए	₹7,36,200/-
ई-निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	दिनांक 10.07.2023 समय 11:30 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं, निविदा दिनांक 10.07.2023 समय 11:30 बजे खोली जाएगी।
निविदा के बारे में विस्तृत सूचना और दस्तावेज	विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए 26.06.2023 से 10.07.2023 तक उपलब्ध होगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी विवरण और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना भी उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

सं.: 17-विद्यु / नि. / टी.आर.डी. / जी.पी.एस. / यू.एम.बी. / 134
दिनांक: 16.06.2023 1863/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
G20
आज़ादी का अमृत महोत्सव
अधिसूचना

No.E/EMC/Re-Eng/Retd.Emp/GSU/MB/2022 दिनांक 16 / 6 / 2023

विषय:- सेवाओं की अवश्यकताओं में सेवा निवृत रेल कर्मचारियों की री-इगेंजमेंट गति शक्ति यूनिट मुरादाबाद में

रेलवे बोर्ड के पत्र सं 2021/W-I/Genl/Gati Shakti dated 27 / 7 / 2022 एवम महा प्रबंधक उत्तर रेलवे बड़ौदा हाउस नई दिल्ली के पत्रांक 831-E/0/189/2V/EIV/Gati Shakti dated 07 / 9 / 2022 के अन्तर्गत यह विनिश्चय किया गया है कि विभिन्न पदों में रेल सेवा से सेवा निवृत कर्मचारियों को रि-इंगेज किया जाना है निम्न प्रकार है।

क्रम सं	विभाग	पद का नाम	पदों की संख्या
1	CPM/GSU	स्टेनो	01
	CPM/GSU	कार्यालय अधीक्षक	01
2	Dy. CE/GSU	एस एस ई कार्य	01
		मुख्य कार्यालय अधीक्षक	01
		एस एस ई रेल पथ	02
		एस एस ई ड्राइंग	02
3	Dy. DSTE/GSU	एस एस ई सिग	05
		एस एस टेली	01
		एस एस ड्राइंग	01
		कार्यालय अधीक्षक	01
		कुल	16

1. अभ्यावेदनों को जमा करने की अंतिम तिथि 04 / 7 / 2023 है। अंतिम तिथि 04 / 7 / 2023 के बाद प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। अन्य विस्तृत सूचना एवं जानकारी के लिए N.Rly Web Site www.nr.indianrailways.gov.in पर देखें

नोट: पूर्व में जारी इस कार्यालय का Notification दिनांक 22 / 5 / 2023 जो समाचार पत्र में दिनांक 26 / 5 / 23 में प्रकाशित किया गया था को निरस्त किया जाता है। एवं उक्त Notification दिनांक 22 / 5 / 2023 में प्राप्त समस्त आवेदनों को निरस्त किया जाता है। इच्छुक सेवा निवृत रेल कर्मचारी उपरोक्त Notification के समाचार पत्र में प्रकाशित होने के उपरांत अपना आवेदन प्रस्तुत करें।

1874/2023
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

केदारनाथ आपदा के दस सालः मुख्यमंत्री धामी पहुंचे धाम, बाबा की पूजा-अर्चना की

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी केदारनाथ आपदा के 10 वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार को केदार धाम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बाबा के दर्शन कर देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने यहां हो रहे विकास कार्यों का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारनाथ की दिव्यता और भव्यता आकर्षक का केन्द्र है। यहां आगे भी कार्य जार रहेंगे।
मुख्यमंत्री ने धाम में चल रहे पुनर्निर्माण कार्य को साल के अंत तक पूरा करने निर्देश दिये।
इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने केदारनाथ की त्रासदी में हताहत हुए लोगों की शांति और उनकी

मुक्ति के लिए हवन कर प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित भगवान ईशानेश्वर के दर्शन कर पूजा अर्चना भी की।
मुख्यमंत्री ने हेलीपैड से लेकर मंदिर परिसर तक सभी निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।
मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 10 वर्ष पहले केदारनाथ में आई त्रासदी ने सब कुछ बर्बाद कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबा केदार के अनन्य भक्त हैं, बाबा केदार के सच्चे भक्त हैं। आज बाबा केदार की कृपा और प्रधानमंत्री मोदी की इच्छाशक्ति के कारण ही समस्त केदारपुरी क्षेत्र दिव्य और भव्य रूप ले चुका है।
मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हुए बाबा केदार से उनके स्वस्थ, दीघार्यु होने की कामना की।
मुख्यमंत्री ने इस दौरान केदारनाथ धाम में पुनर्निर्माण का कार्य कर रहे श्रमिकों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हमारे श्रमिक विभिन्न विषम परिस्थितियों में यह कार्य रहे हैं। सभी श्रमिकों का विशेष ख्याल रखा जाए। उन्हें किसी भी परेशानी का सामना ना करना पड़े।
इस मौके बद्रीनाथ केदारनाथ समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह, जिला अध्यक्ष भाजपा महावीर पवार, सचिव विनय शंकर पांडे, पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे सहित अन्य उपस्थित थे।

त्रिवेणी घाट पर किए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्य के दौरान मूर्तियों को तोड़ा

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
जी-20 के तहत ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट पर माह के अंतिम सप्ताह में गंगा आरती का आयोजन होना है। ऐसे में विदेशी मेहमानों के स्वागत में विशेष आरती को देखते हुए त्रिवेणी घाट पर सौंदर्यीकरण कार्य किए जा रहे हैं। इस दौरान प्रशासन ने सौंदर्यीकरण कार्य के चलते कुछ मूर्तियों को भी तोड़ा है। गुरुवार रात को यहां गणेश और शीतला माता की मूर्तियों को प्रशासन ने तोड़ा है। इसके चलते संत-महतों में प्रशासन के विरुद्ध रोष उत्पन्न हो गया है।
गुरुवार आधी रात को त्रिवेणी घाट पर प्रशासन द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के दौरान भगवान गणेश और शीतला माता की मूर्तियों को तोड़ दिया गया। इससे पूर्व बीते

गणेश और शीतला माता की मूर्तियों को प्रशासन ने तोड़ा है। इसके चलते संत-महतों में रोष उत्पन्न हो गया है

शनिवार को साईं बाबा के साथ गंगा, जमुना और सरस्वती की मूर्ति को प्रशासन ने हटा दिया था। मंदिरों के संस्थापक महंत गोपाल गिरी का कहना है कि इन मूर्तियों के लिए उनके पास कोर्ट का आदेश भी है। मूर्ति हटाए जाने को लेकर संतों का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश के मुख्यमंत्री से भी मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह शीघ्र ही प्रशासन के विरुद्ध न्यायालय का दरवाजे पर भी न्याय दिलाने और मूर्तियों को पुनर्स्थापित किए जाने के लिए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

आपके फर्श के सिर्फ 1 वर्ग फुट हिस्से में हो सकते हैं बीमारी पैदा करने वाले लाखों कीटाणु

देहरादून। भारत का अग्रणी कीटाणुनाशक ब्रांड लाइजोल, और भारत की अग्रणी सरकारी रिसर्च एजेंसी, काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च इंस्टीट्यूशन इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी ने संयुक्त रूप से भारतीय घरों में कीटाणुओं और रोगजनकों की उपस्थिति का विश्लेषण करने के लिए एक अध्ययन किया है। अध्ययन में भारतीय घरों के फर्श पर कई तरह के कीटाणु पाए गए। रिसर्च टीम ने भारतीय घरों में कीटाणुओं की उपस्थिति का अध्ययन किया है। इसमें पाया गया है कि अलग-अलग कमरों के फर्श बीमारी पैदा करने वाले कीटाणुओं जैसे एस्चेरिचिया कोलाई, मोरेक्सेला एसपीपी, ब्रेवुंडिमोनस एसपीपी, एसिनेटोबैक्टर एसपीपी के घर होते हैं। शोध से यह भी पता चला कि हमारे घरों की सतह पर 1000 से अधिक प्रकार के बैक्टीरिया और 200 प्रकार के वायरस मौजूद हैं। पहचाने गए कीटाणु डायरिया जैसी बीमारियों और त्वचा-संक्रमण, मूत्र नली के संक्रमण, मुँहासे, आंख और रक्तप्रवाह संक्रमण के लिए जिम्मेदार हैं। सौरभ जैन, रीजनल मार्केटिंग डायरेक्टर, हाइजीन, रेकिट-साउथ एशिया ने कहा 130 साल पुरानी वैश्विक विरासत के साथ अग्रणी डिसइन्फेक्टेंट ब्रांड लाइजॉल परिवारों की सुरक्षा और उन्हें बीमारी मुक्त रखने की दिशा में प्रयासरत है। भारतीय घरों में किया गया यह अध्ययन यहां मौजूद कीटाणु-संबंधी खतरों की पहचान करके स्वस्थ घर के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारा उद्देश्य है कि स्पेशलाइज्ड क्लीनिंग सॉल्यूशंस का उपयोग करते हुए सफाई और कीटाणुओं का नाश करने की बेहतर आदतों को अपनाया जाए। इसके लिए इन आदतों के फायदों के बारे में भारतीय परिवारों को शिक्षित किया जाए और लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाई जाए। ये स्पेशलाइज्ड क्लीनिंग सॉल्यूशंस आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले सॉल्यूशन जैसे आम फिनाइल की तुलना में बेहतर तरीके से रोगाणुओं का नाश करता है।
डॉ. राकेश शर्मा पीएचडी चीफ साइंटिस्ट सीएसआईआर आईजीआईबी ने कहा लाइजोल के साथ साझेदारी में किए गए अध्ययन में भारतीय घरों के विभिन्न हिस्सों के फर्श पर पाए जाने वाले कीटाणुओं और रोगजनकों के बारे में जानकारी सामने आई है। इसी के साथ ही, अध्ययन में पाए गए कीटाणु कई बीमारियों के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं और इसलिए अध्ययन घरों को स्वच्छ और कीटाणु मुक्त बनाए रखने के महत्व पर जोर डालता है।

योग के महत्व और लाभों को उजागर करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष संदेश

श्री आशुतोष महाराज जी

योग प्राचीन भारतीय संस्कृति की सम्पूर्ण विश्व की अनमोल धरोहर है। पर हजारों साल की इस वैदिक परम्परा को कुछ साल पूर्व ही वैश्विक मंच मिला। पहली बार 21 जून 2015 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसी तिथि को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में चुनने के पीछे भी एक विशेष कारण था। इस दिन ग्रीष्म संक्रांति होती है, जो दक्षिणायन के नाम से भी बहु-प्रचलित है। दरअसल इस दिन पृथ्वी की दृष्टि से सूर्य कर्क रेखा से मकर रेखा (उत्तर से दक्षिण) की ओर बढ़ना शुरू करता है। इस दौरान सूर्य की किरणें अधिक समय तक धरती पर पड़ती हैं। इसलिए इस दिन सूर्य न केवल जल्दी उदित होता है, बल्कि देर से ढलता है। यह दिन पूरे वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। दीर्घ दिन पर मानव कैसे दीर्घायु हो, यही 21 जून पर योग-दिवस का खास संदेश है। साथ ही, प्रकृति की सकारात्मक ऊर्जा सक्रिय होने के कारण इस दिन योग द्वारा मानव को प्रकृति का विशेष सहयोग प्राप्त होता है।

बीएनआई ने भारत में अपने 50,000 से ज्यादा सदस्यों की उपलब्धि का जश्न मनाया

देहरादून: दुनिया के सबसे बड़े रेफरल मार्केटिंग संगठन, बिजनेस नेटवर्क इंटरनेशनल (बीएनआई) ने भारत में पचास हजार सदस्यों के आंकड़े को पार कर लिया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को प्राप्त करने के साथ ही बीएनआई ने भारत के टियर 3 एवं 4 शहरों में लघु उद्योगों को सशक्त बनाने के लिए एक अभूतपूर्व पहल की भी घोषणा की है। बीएनआई के संस्थापक और चीफ विजनरी ऑफिसर डॉ. इवान मिस्नर ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जाहिर की व उत्साहवर्धन के लिए भारत का दौरा भी किया।
वैश्विक महामारी से उत्पन्न चुनौतियों एवं कठिनाइयों के बावजूद बीएनआई ने भारत में मजबूती से अपनी भूमिका निभाई व विकास की गति को जारी रखा । बीएनआई ने देश के 121 शहरों में स्थित 1080 चैप्टर्स में 50,830 सदस्यों के साथ अपनी मौजूदगी को मजबूती से स्थापित किया है । बीएनआई ने अपने मजबूत रेफरल आधारित नेटवर्क की ताकत के दम पर 31,93,874 रेफरल्स किए जिससे बीते बारह महीनों में 30,516 करोड़ का बिजनेस वॉल्यूम दर्ज हुआ। बता दें कि बीएनआई में प्रभावशाली रुप से सीट का औसत मूल्य प्रतिवर्ष 65 .54 लाख रुपये है। यह भी एक उपलब्धि है।

पेयजल संकट को लेकर महिलाओं ने किया प्रदर्शन

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
हल्द्वानी के राजेंद्र नगर वार्ड नंबर 12 में पेयजल संकट को लेकर महिलाओं ने यूथ कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष हेमन्त साहू के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। महिलाओं ने पेयजल विभाग के खिलाफ नारेबाजी की।
हेमन्त साहू ने कहा कि मोहल्ले में दो-दो ट्यूबवेल होने के बावजूद जनता पानी की बूंद-बूंद के लिए भटक रही है। महिलाएं-बच्चे पानी के लिए 1 से 2 किलोमीटर दूर तक पानी के लिए भटक रहे है। विभाग के अधिकारी पेयजल व्यवस्था सही करने में पूरी तरह नाकाम हो रहे हैं।

चिल्ड्रन क्रिएटिविटी फेस्टिवल में शामिल हुई मंत्री रेखा आर्या

उन्होंने प्लान इंटरनेशनल द्वारा आयोजित चिल्ड्रन क्रिएटिविटी फेस्टिवल में बाल प्रतिभागियों के सम्मेलन में प्रतिभाग किया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या शुक्रवार को देहरादून स्थित विज्ञान धाम (यूकॉस्ट) पहुंची। यहां उन्होंने प्लान इंटरनेशनल द्वारा आयोजित चिल्ड्रन क्रिएटिविटी फेस्टिवल में 12 राज्यों के बाल प्रतिभागियों के सम्मेलन में प्रतिभाग किया। इस सम्मेलन की शुरूआत 14 जून से हुई थी, जिसका शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा विभिन्न जागरुकता पूर्ण प्रस्तुतियां और समाज में फैली

विभिन्न कुप्रथाओं को वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत किया गया। साथ ही मंत्री रेखा आर्या ने इस दौरान बच्चों द्वारा लगाई गई विभिन्न क्रिएटिव प्रदर्शनियों का भी अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थित बच्चों के साथ बातचीत की और उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में उनसे जाना।
मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि निश्चित तौर पर यह सम्मेलन बच्चों को सशक्त बनाने और उनकी क्षमता का बेहतर तरीके से निर्माण करने के लिए सकारात्मक प्रयास है। बच्चों की ज्ञान शक्ति को बढ़ाने और समाज में फैली बुराइयों के प्रति उन्हें जागरूक करने के लिए ऐसे आयोजन कारगर साबित होते हैं।
मंत्री ने कहा कि आज भी भ्रूणहत्या जैसी बीमारी हमारे समाज में व्याप्त है। इसे खत्म करने के लिए हम सबको आगे आना होगा और बेटा-बेटी के बीच किसी प्रकार का भेदभाव ना करते हुए दोनों को एक समान नजर से देखना होगा।
बेटा और बेटी से मिलकर ही मानव समाज का सृजन होता है इसलिए समाज एवं अभिभावकों का दायित्व है कि वे बेटा-बेटी में अंतर नहीं करें बल्कि दोनों को समान रूप से बढ़ने का अवसर दें।

श्री जगन्नाथ रथ यात्रा 20 जून को निकाली जाएगी

श्री राम मंदिर समिति और श्री जगन्नाथ ओडिया समाज देहरादून ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
श्री जगन्नाथ रथ यात्रा 20 जून को देहरादून में निकाली जाएगी। इसको लेकर तैयारियां जोरों पर है। शुक्रवार को प्रेस क्लब में श्री राम मंदिर समिति और श्री जगन्नाथ ओडिया समाज देहरादून ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। आयोजक शक्ति पुत्र पं. सुबास चन्द शतपथी ने कहा कि मंदिर में लगभग 30 वर्षों के पश्चात भगवान श्री जगन्नाथ के नूतन विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान 17 जून

शनिवार के दिन 10 बजे से प्रारम्भ होगा। जिसमें अंकुरारोपण, देवाग्निः, आह्वान पूजा, यज्ञ हवन होंगे। शाम 4 बजे से 6 बजे तक भक्तगण भगवान के दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि नयी मूर्तियां नीम के वृक्ष की लकड़ियों को सुखाकर बनायी गयी हैं। 20 जून को रथ यात्रा श्री राम मंदिर दीपलोक कॉलोनी, बल्लूपुर रोड, किशन नगर, यमुना कॉलोनी, विन्दाल, घंटाघर, पलटन बाजार होते हुए धामावाला, दर्शनीगेट, रामलीला बाजार, तिलकरोड बिन्दाल होते हुए पुनः श्री राम मंदिर में संपन्न होगी।

गुलदार के हमले में महिला की मौत

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
जिले में आदमखोर गुलदार के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शुक्रवार सुबह पुनः चिन्यालीसौड़ के कोटीसौड़ भड़कोट में गुलदार के हमले से एक महिला की मौत हो गई है। गुलदार क्षेत्र में अब तक दस लोगों पर हमला कर चुका है। गुलदार के हमले से इलाके में डर का माहौल है।
ग्राम प्रधान शिवराज बिष्ट और जीत सिंह राणा ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम भड़कोट में शुक्रवार सुबह 9 बजे घर के नजदीक ही घास लेने गई 42 वर्षीय भागीरथी देवी पत्नी स्व. भूपति प्रसाद नौटियाल को गुलदार ने अपना शिकार बनाया।

मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने फिल्म आदिपुरुष देखी

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
रामायण पर आधारित फिल्म आदिपुरुष आज सिनेमा घरों में रिलीज हो गई है। देशभर में फिल्म को लेकर सिनेमा प्रेमियों में उत्साह देखा जा रहा है। ऋषिकेश में नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के महामंत्री व भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रतीक कालिया ने फिल्म आदिपुरुष दिखाई है। जिसके पहले शो का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर सिनेमा हॉल में एक सीट भगवान हनुमान जी के लिए आरक्षित रखी गयी।
शुभारंभ अवसर पर डॉ अग्रवाल ने कहा कि भगवान राम हमारे मन-मस्तिष्क में बसे हुए हैं। गरीब हो या अमीर सबके मुख राम का नाम ही पहले आता है।
उन्होंने कहा कि भौतिकता की होड़ में मानव जीवन में सारी तरह की सुविधाएं तो हासिल हो गयी हैं पर हम अपने को सही अर्थों में सुखी नहीं पा रहे हैं। जीवन में हताशा और निराशा व्याप्त है। श्रीराम जी के जीवन पर बनी फिल्म देखकर हमें सुख और शांति मिलती है।
डॉ अग्रवाल ने कहा कि श्री रामचंद्र जी की सभी चेष्टाएं धर्म, ज्ञान, नीति, शिक्षा, गुण, प्रभाव, तत्व एवं रहस्य से भरी हुई हैं। उनका व्यवहार देवता, ऋषि, मुनि, मनुष्य, पक्षी, पशु आदि सभी के साथ ही प्रशंसनीय, अलौकिक और अतुलनीय है। उसे स्मरण करने से ही रोमांच हो आता है।
उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम की कोई भी चेष्टा ऐसी नहीं जो कल्याणकारी न हो। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महामंत्री व कार्यक्रम आयोजक प्रतीक कालिया ने कहा कि हिंदू संस्कृति के अनुसार भाइयों के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार होना चाहिए। इसकी शिक्षा हमें रामायण में श्रीराम, श्रीलक्ष्मण, श्रीभरत एवं श्रीशत्रुघन के चरित्रों से स्थान-स्थान पर मिलती है।

देहरादून में होने वाली मुस्लिम समुदाय की महापंचायत स्थगित

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
आखिरकार मुस्लिम समाज के लोग मान गए हैं और पुरोला में होने वाली हिन्दू महापंचायत के स्थगन के बाद देहरादून में होने वाली मुस्लिम समाज की महापंचायत भी स्थगित हो गई है। इस संदर्भ में देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डीएस कुंवर ने मीडिया को जानकारी दी।
उन्होंने बताया कि उत्तरकाशी के पुरोला की घटना के बाद दून में महापंचायत करने पर अड़े मुस्लिम समुदाय ने मुख्यमंत्री से मिलने के बाद देर रात महापंचायत को स्थगित कर दिया। आयोजकों ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें पुरोला जैसी घटना दोबारा न होने और सांप्रदायिक सौहार्द खराब करने वालों से सख्ती से निपटने का

आश्वासन दिया है।
पुरोला की घटना के बाद मुस्लिम समुदाय ने दून में 18 जून को महापंचायत का ऐलान किया था। मुस्लिम समुदाय के ऐलान के बाद प्रदेश में तनाव का माहौल बन गया था। पूरी सरकारी मशीनरी मामले को लेकर सतर्क हो गई थी। पुलिस प्रशासन लगातार मुस्लिम समुदाय से वार्ता कर रहा था, लेकिन वह महापंचायत पर अड़े हुए थे लेकिन गुरुवार को इस मामले में मुख्यमंत्री से मिलने के बाद महापंचायत को स्थगित करने की घोषणा कर दी है।

उत्तराखंडः केदारनाथ में 2013 को आई आपदा को दस साल पूरे

रुद्रप्रयाग/टीम एक्शन इंडिया
16-17 जून 2013 को केदारनाथ धाम में आई विनाशकारी आपदा को आज पूरे दस साल हो गये हैं। केदारनाथ धाम में जिस तरह से भीषण तबाही मची थी। इस आपदा में हजारों की संख्या में जहां लोग अकाल मौत को प्राप्त हो गये थे, वहीं हजारों लोगों का आज भी पता नहीं है। मंदाकिनी नदी के तेज बहाव में केदारनाथ धाम से लेकर अगस्त्यमुनि तक लोगों के घर, होटल, लॉज, दुकाने ताश के पत्तों की तरह ढह गये थे। समय बीतता गया और केदारपुरी का स्वरूप भी। आपदा के ठीक दस सालों बाद केदारपुरी का पूरा स्वरूप बदल गया है। यहां

केदारनाथ मास्टर प्लान के तहत कार्य हो रहे हैं।
16-17 जून 2013 को केदारनगरी में आपदा को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इस आपदा में केदारनाथ मंदिर को छोड़कर पूरी केदारनगरी तबाह हो गई थी। केदारनगरी के अलावा रुद्रप्रयाग के अगस्त्यमुनि तक आपदा को बुरा प्रभाव पड़ गया था। केदारनाथ, रामबाड़ा, गौरीकुंड, सीतापुर आदि स्थान बुरी तरह से इस आपदा में प्रभावित हो गये थे। आपदा के बाद जैसे-तैसे यात्रा शुरू हुई और धाम में पुनर्निर्माण कार्य भी किये गये। आपदा के बाद केदारपुरी में प्रथम चरण के तहत मंदिर परिसर का विस्तार करने के साथ ही मंदिर मार्ग का निर्माण कार्य किया गया। इसके साथ ही आस्था पथ निर्माण, आदि गुरू शंकराचार्य समाधि स्थल, मंदाकिनी एवं सरस्वती नदी किनारे आस्था पथ निर्माण, एमआई 17 और एमआई 26 हेलीपैड निर्माण, वीआईपी हेलीपैड निर्माण, तीर्थ पुरोहितों के 43 भवनों का निर्माण, वॉटर एटीएम का कार्य पूरा किया गया। द्वितीय चरण के तहत धाम में ईशानेश्वर मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि यात्रा कंट्रोल एंड कमांड सेंटर, अस्पताल, प्रशासनिक भवन, पुलिस थाना, रॉवल एवं पुजारी आवास, बीकेटीसी धर्मशाला सहित करीब 17 कार्य चल रहे हैं। तीसरे चरण में केदारपुरी में तीर्थ पुरोहितों के बचे हुए भवनों का निर्माण होना है, जबकि हेलीपैड का विस्तार किया जायेगा। हेलीपैड के विस्तार के बाद 8 हेलीकॉप्टर एक साथ लैंड कर सकेंगे।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के बाद केदारनाथ धाम का कायाकल्प हो रहा है। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण कार्यों पर विशेष जोर दिया है।

कल्याण ज्वैलर्स ने ज्वालापुर में नए शोरूम के साथ हरिद्वार में रखे अपने कदम

टीम एक्शन इंडिया/हरिद्वार
भारत की सबसे भरोसेमंद और सबसे बड़ी ज्वैलरी कंपनियों में से एक, कल्याण ज्वैलर्स ने आज हरिद्वार में अपना नया शोरूम लॉन्च किया। खन्ना नगर - ज्वालापुर में स्थित इस शानदार शोरूम के साथ कल्याण ज्वैलर्स ने हरिद्वार में भी कदम रख दिए हैं। पूरी तरह से नया शोरूम ग्राहकों को आभूषण डिजाइनों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ शानदार खरीदारी का अनुभव प्रदान करेगा। अपनी विजन 2025 रणनीति के हिस्से के रूप में, कल्याण ज्वैलर्स अपने विकास की रफ्तार को तेज करने और अपने निष्ठावान ग्राहकों तक आसानी से पहुंचने के लिए इस क्षेत्र में ब्रांड की मौजूदगी और अपने कामकाज का लगातार विस्तार कर रहा है। यह उत्तराखंड राज्य में ब्रांड का तीसरा शोरूम है। नए शोरूम की लॉन्चिंग के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कल्याण ज्वैलर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रमेश कल्याणरमन ने कहा, पवित्र शहर हरिद्वार में अपना आउटलेट खोलने में सक्षम होना हमारे लिए एक आशीर्वाद के समान है। यहां होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, और हम आशा करते हैं कि इस धन्य भूमि में हमारी उपस्थिति हमें गहरी भावना के साथ लोगों की सेवा करने के लिए प्रेरित करेगी। हम अपनी विकास यात्रा के अगले चरण की शुरूआत कर रहे हैं, इसी सिलसिले में हम इस क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को तेजी से विस्तार देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारे लिए उत्तराखंड महत्वपूर्ण बाजार है और हमेशा की तरह, हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में अपने निष्ठावान ग्राहकों को खरीदारी का सर्वश्रेष्ठ अनुभव प्रदान करना है।
नए लॉन्च किए गए शोरूम में कल्याण ज्वैलर्स के ज्वैलरी कलेक्शन से डिजाइन की व्यापक रेंज पेश की जाएगी। आभूषणों को एक विश्व स्तरीय माहौल में प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कल्याण स्पेशल गोल्ड बोर्ड रेट लागू होगा, जो बाजार में सबसे कम है और सभी कंपनी शोरूमों में मानकीकृत है।

संपादकीय

शिक्षा से दूर, बच्चे ही मजबूर

पढ़ने-लिखने की उम्र में श्रम के तंदूर में झुलसता बचपन किसी के लिए भी त्रासद हो सकता है। आखिर कौन माता-पिता नहीं चाहता कि उसका बेटा भी पढ़-लिखकर सुसभ्य नागरिक और देश का निमार्ता बने। यह तब है जब भारत में बाल श्रम के खिलाफ राष्ट्रीय कानून और नीतियां प्रभावी हैं। भारत का संविधान (26 जनवरी 1950) मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत की विभिन्न धाराओं के माध्यम से कहता है-14 साल के कम उम्र का कोई भी बच्चा किसी फैक्टरी या खदान में काम करने के लिए नियुक्त नहीं किया जाएगा और न ही किसी अन्य खतरनाक नियोजन में नियुक्त किया जाएगा (धारा 24)। राज्य अपनी नीतियां इस तरह निर्धारित करेंगे कि श्रमिकों, पुरुषों और महिलाओं का स्वास्थ्य तथा उनकी क्षमता सुरक्षित रह सके और बच्चों की कम उम्र का शोषण न हो तथा वे अपनी उम्र व शक्ति के प्रतिकूल काम में आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रवेश करें (धारा 39-ई)। बच्चों को स्वस्थ तरीके से स्वतंत्र व सम्मानजनक स्थिति में विकास के अवसर तथा सुविधाएं दी जाएंगी और बचपन और जवानी को नैतिक व भौतिक दुरुपयोग से बचाया जाएगा (धारा 39-एफ)। संविधान लागू होने के 10 साल के भीतर राज्य 14 वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देने का प्रयास करेंगे (धारा 45)। बाल श्रम एक ऐसा विषय है, जिस पर संघीय व राज्य सरकारें, दोनों कानून बना सकती हैं। इस संबंध में संघीय सरकार ने कानून भी बनाए गए हैं। इनमें प्रमुख हैं-बाल श्रम (निषेध व नियमन) कानून 1986। यह कानून 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को 13 पेशा और 57 प्रक्रियाओं में, जिन्हें बच्चों के जीवन और स्वास्थ्य के लिए अहितकर माना गया है, नियोजन को निषिद्ध बनाता है। इन धंधों और प्रक्रिया का उल्लेख कानून की अनुसूची में है। दूसरा है-फैक्टरी कानून 1948। यह कानून 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के नियोजन को निषिद्ध करता है। 15 से 18 वर्ष तक के किशोर किसी फैक्टरी में तभी नियुक्त किए जा सकते हैं, जब उनके पास किसी अधिकृत चिकित्सक का फिटनेस प्रमाण पत्र हो। इस कानून में 14 से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए हर दिन साढ़े चार घंटे की कार्यावधि तय की गई है और रात में उनके काम करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। भारत में बाल श्रम के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण न्यायिक हस्तक्षेप 1996 में सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले से आया, जिसमें संघीय और राज्य सरकारों को खतरनाक प्रक्रियाओं और पेशों में काम करने वाले बच्चों की पहचान करने, उन्हें काम से हटाने और उन्हें गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया गया। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यह हुक्म भी दिया था कि एक बाल श्रम पुनर्वास सह कल्याण कोष की स्थापना की जाए। इसमें बाल श्रम कानून का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं के अंशदान का उपयोग हो। बाल श्रम ऐसा दुश्चक्र है, जो बच्चों से स्कूल जाने का अधिकार छीन लेता है। पीढ़ी दर पीढ़ी गरीबी के चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकलने देता। साल 2011 की जनगणना के के अनुसार, भारत में बाल मजदूरों की संख्या 1.01 करोड़ है। इसमें 56 लाख लड़के और 45 लाख लड़कियां हैं। दुनिया भर में 6.4 करोड़ लड़कियां और 8.8 करोड़ लड़के बाल मजदूर होने का अनुमान लगाया गया है। अगर इस अनुमान पर भरोसा किया जाए तो विश्व में प्रत्येक 10 बच्चों में से एक बच्चा बाल मजदूर है।

उपजाऊ भूमि का मरुस्थल में बदलना गंभीर संकट

ललित गर्ग

> विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी ह्लस्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019ह्व की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है। इस आपदा से निपटने के लिए कार्बन उत्सर्जन को रोकना ही काफी नहीं है

विश्व मरुस्थलीकरण रोकथाम दिवस (डब्ल्यूडीसीडी) वर्ष 1995 से प्रतिवर्ष 17 जून को मनाया जाने वाला ऐसा दिवस है जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करना और इसके लिये जन जागरूकता को बढ़ावा देना है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये विश्व मरुस्थलीकरण रोकथाम और सूखा दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है।

मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है। इसके लिए कृषि में शुष्क कृषि प्रणालियों को प्रयोग में लाने को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतः उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए। यह दिवस वैश्विक स्तर पर जन-जागरूकता फैलाने का ऐसा प्रयास है , जिसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग की अपेक्षा की जाती है। इसका उद्देश्य भूमि की गुणवत्ता खराब होने से बचाना। राष्ट्रीय घरेलू उत्पाद में हर साल आठ प्रतिशत तक की गिरावट आने एवं भूमि क्षरण और उसके दुष्प्रभावों से मानवता पर मंडराते जलवायु संकट के और गहराने की आशंकाओं को देखते हुए इस दिवस की उपयोगिता एवं सार्थकता है। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा बड़े खतरे हैं जिनसे दुनिया भर में लाखों लोग, विशेषकर महिलाएं और बच्चे, प्रभावित हो रहे हैं।

भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी दूसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत

के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी।

सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है।

उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा बड़े खतरे हैं। इस समस्या का तत्काल समाधान आज वक्त की माँग हो गई है। चूँकि इस समाधान से जहाँ भूमि संरक्षण और उसकी गुणवत्ता बहाल होगी, वहीं विस्थापन में कमी आयेगी, खाद्य सुरक्षा सुधरेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं से निजात मिल सकेगा। इस संदर्भ में देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन फिर भी उपलब्धियाँ नाकाफी रही हैं।

मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी ह्लस्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019ह्व की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है।

इस आपदा से निपटने के लिए कार्बन उत्सर्जन को रोकना ही काफी नहीं है। इसके लिए खेती में बदलाव करने होंगे, शाकाहार को बढ़ावा देना होगा और जमीन का इस्तेमाल सोच-समझकर करना होगा। ऊपजाऊ भूमि भी रेगिस्तान में तब्दील हो रही है। तकनीकी तौर पर मरुस्थल उस इलाके को कहते हैं, जहां पेड़ नहीं सिर्फ झाड़ियां उगती हैं। जिन इलाकों में यह भू-जल के खात्मे के चलते हो रहा है, वहां इसे मरुस्थलीकरण का नाम दिया गया है। लेकिन शहरों का दायरा बढ़ने के साथ सड़क, पुल, कारखानों और रेलवे लाइनों के निर्माण से खेतिहर जमीन का खात्मा और बची जमीन की उर्वरा शक्ति कम होना भू-क्षरण का दूसरा रूप है, जिस पर कोई बात ही नहीं होती। लेकिन मोदी की पहल से इस पर बात ही नहीं हो रही, बल्कि इस समस्या से निजात पाने की दिशा में सार्थक कदम भी उठाये जा रहे हैं।

रेगिस्तान या मरुस्थल एक बंजर, शुष्क क्षेत्र है, जहाँ वनस्पति नहीं के बराबर होती है, यहाँ केवल वही पौधे पनप सकते हैं, जिनमें जल संचय करने की अथवा धरती के बहुत नीचे से जल प्राप्त करने की अदभुत क्षमता हो। इस क्षेत्र में बेहद शुष्क व गर्म स्थिति किसी भी पैदावार के लिए उपयुक्त नहीं होती है। वास्तविक मरुस्थल में बालू की प्रचुरता पाई जाती है। राजस्थान प्रदेश में थार का रेगिस्तान दबे पांव अरावली पर्वतमाला की दीवार पार कर पूर्वी राजस्थान के जयपुर, अलवर और दौसा जिलों की ओर बढ़ रहा है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के राजस्थान में चल रहे प्रोजेक्ट में ऐसे संकेत मिल रहे हैं। अब तक 3000 किमी लंबे रेगिस्तानी इलाकों को उत्तर प्रदेश, बिहार और प. बंगाल तक पसरने से अरावली पर्वतमाला रोकती है। कुछ वर्षों से लगातार वैध-अवैध खनन के चलते कई जगहों से इसका सफाया हो गया है। उन्हीं दरारों और अंतरालों के बीच से रेगिस्तान पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ चला है। यही स्थिति रही तो आगे यह हरियाणा, दिल्ली, यूपी तक पहुंच सकता है।

कविता

चार मुक्तक

दूर नहीं वो दिन जब बेड़ियां टूट जाएंगी।
खुद-ब-खुद सब हथकड़ियां छूट जाएंगी।।
उसी दिन यकीनन निर्माण ऐसा हो जाएगा।
इंकलाब आएगा जब चुप्पियाँ टूट जाएंगी।।
ना जाने कैसा आचरण करने लगे लोग।
शातिर भी साधारण दिखने लगे हैं लोग।।
मुहबत की ओट लेकर करते हैं नफरतें।
मतलब का व्याकरण पढ़ने लगे हैं लोग।।
करता है तमाशा मदारी डुगडुगी बजाकर।
रखता है दर्शकों को खूब हँस-हँसाकर।।
कहता है कुछ,करता है कुछ ,देख निर्माण।
लूटता है जनता को बंदरों-सा नचाकर।।
अच्छे दिनों पर अखबार दिखाने वालो।
खरीद फरोख्त से सरकार बचाने वालो।
कभी गरीब का पेट झांककर देख लेना।
खाली पीली बातों पर दरबार सजाने वालो।
करनाल,हरियाणा। चार मुक्तक

दूर नहीं वो दिन जब बेड़ियां टूट जाएंगी।
खुद-ब-खुद सब हथकड़ियां छूट जाएंगी।।
उसी दिन यकीनन निर्माण ऐसा हो जाएगा।
इंकलाब आएगा जब चुप्पियाँ टूट जाएंगी।।

कृष्ण कुमार

ट्विटर का भारत विरोधी एजेंडा

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डॉर्सी एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार अपने बयानों को लेकर। डॉर्सी ने एक यूट्यूब चैनल ब्रेकिंग प्वाइंट्स से बातचीत में कहा या कहें दावा किया कि भारत सरकार ने उनसे विरोध करने वाले ट्विटर अकाउंट और किसान आंदोलन से संबंधित अकाउंट को बंद करने को कहा था। अगर ऐसा नहीं हुआ तो भारत में ट्विटर को बंद कर दिया जाएगा। दफ्तर में छापे डाले जाएंगे। बस फिर क्या, डॉर्सी के इतना बोलते ही सभी विपक्षी दल एक्टिव हो गए। किसान नेता भी डॉर्सी का समर्थन कर रहे हैं। लेकिन जिस जैक डॉर्सी के बयान को विपक्ष और किसान नेता हाथों-हाथ ले रहे हैं उसका पिछला रिकॉर्ड तो चेक कर लिया होता। यह वही जैक डॉर्सी हैं जिन्होंने हाथ में ब्राह्मणवाद पर आपत्तिनक पोस्टर लहराया था, लेह को चीन का हिस्सा दिखा दिया था। जैक डॉर्सी पर अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव को भी प्रभावित करने के आरोप लगे थे। भारत की संप्रभुता पर हमला, भारत विरोधी एजेंडा चलाना आदि। अब जब जैक डॉर्सी ने आरोप लगाया है तो उन्हें उनके दौरान के विवाद भी याद दिला देते हैं। शायद भूल गए हों। डॉर्सी ने हद तो तब कर दी जब उन्होंने भारत की तुलना टर्की से कर दी। कहा कि तुर्की ने भी उनसे अपने देश में ट्विटर को बंद करने की धमकी दी थी। डॉर्सी के इन आरोपों पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि उनके दावे गलत हैं। चंद्रशेखर ने इससे उलट ट्विटर के सीईओ पर ही आरोप लगा दिए कि माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ने 2020 से 2022 के बीच कई बार नियम तोड़े थे। जैक अपने ही बयान के बाद फंस गए। जैक ने जब ये कहा कि तब वह शायद यह भूल गए कि भारत सरकार ने कार्यालय बंद करने की धमकी दी थी। न कार्यालय बंद हुआ, न कोई गिरफ्तार हुआ। हाँ, यह जरूर हुआ कि, ये ट्विटर के जरिये भारत विरोधी एजेंडा चलाया गया।हालांकि जैक डॉर्सी को अपने गिरेबान में झांककर देख लेना चाहिए। भारत एक संप्रभु राष्ट्र है। संविधान, संसद, कानून, अदालतें और चुनाव प्रणाली सब कुछ है, जो एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश में होने चाहिए। फिर बार-बार यह बयानबाजी क्यों की जाती है कि लोकतंत्र की हत्या कर दी गई? लोकतंत्र न होता, तो देश पर एक ही दल हुकूमत करता। देश वाकई में उत्तर कोरिया बन जाता! किसान आंदोलन नहीं कर पाते और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर विदेशी दुकानें न खुल पातीं! जब भारत में ईस्ट इडिया कंपनी ने सेंध लगाई थी, तब शुक्र है कि भारत गुलाम देश था। तब किसकी मौत, हत्या और खात्मे के शोर बुलंद किए जाते? अब ट्विटर के सह-संस्थापक और सीईओ रहे जैक डॉर्सी ने एक बयान दिया है, तो हाय-तौबा मच गई है कि तानाशाह एक डरपोक आदमी होता है। हमारे संविधान ने मौलिक और नागरिक अधिकार सिर्फ भारतीय को दिए हैं। विदेशी उद्योगपति उस श्रेणी के बाहर हैं। भारत में जो हजारों विदेशी कंपनियां कार्यरत हैं।

विचार

यूनिफॉर्म सिविल कोड का आगाज-कंसल्टेशन प्रक्रिया शुरू

किशन भावनानी गोंदिया

वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत एक विविधता में एकता वाला देश रहा है, जहां हजारों लाखों जातियां उपजातियां धर्म धार्मिक समुदायों का निवास रहा है जो आपसी प्रेम भाईचारे से रहते आए हैं और अपने अपने धर्म की मान्यताओं के अनुरूप पीढ़ियों से अपना जीवन व्यतीत करते आ रहे हैं परंतु कुछ दशकों से हम प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से देख सुन रहे हैं कि जाति धर्म मजहब समुदाय की बातों के प्रचलन में वृद्धि हुई है स्वाभाविक ही है कि वैचारिकता में भी असर पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता इसी को आधार बनाकर लगभग सभी दलों पार्टियों ने अपने जनाधार की नीतियां रणनीतियां इसी को लेकर बनाई जाती हैपरिणामतः हाई कॉलोनाइजेशन, ध्रुवीकरण, सहिष्णुता इत्यादि शब्दों का प्रयोग बढ़ गया है। मानव समाज में धर्म, जात-पात का आधार पर बढ़ गया है और कानून, सुविधाएं, छूटों, बंधनों में अब धार्मिकता जातपात के आधार पर मुद्दे उत्पन्न होने शुरू हो गए हैं, इसीलिए ही शायद करीब 75 वर्ष पूर्व बनाए गए संविधान में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) का प्रावधान किया गया था जिसे हम संविधान की दूरदर्शिता का अंदाज लगा सकते हैं। चूंकि दिनांक 14 जून 2023 को भारत के 22 वें विधि आयोग द्वारा यूसीसी को लागू करने के संबंध में कंसल्टेशन रिपोर्ट बनाने के लिए पंजीकृत धार्मिक संस्थाओं और आम जनता से सुझाव विचार दर्ज.कराने का अनुरोध किया है ताकि इस कानून को लागू करने की ओर कदम बढ़ाए जा सके,सुझाव विचार दर्ज कराने की तारीख 13 जुलाई याने नोटिस के 30 दिनों के अंदर निर्धारित की गई है। हालांकि इसके पूर्व 2016 में भी इसी तरह का नोटिस निर्गमित हुआ था और 2018 में इनकी रिपोर्ट दी गई थी जिसमें इसे लागू करने को गैरजरूरी बताया गया था और कुछ दिशानिर्देश सुझाव जारी किए गए थे, परंतु अब 3 सालों से अधिक की लंबी गैप के बाद फिर सुझाव मांगे गए हैं। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, यूसीसी का आगाज - कंसल्टेशन प्रक्रिया शुरू। साथियों बात अगर हम विधि आयोग द्वारा एक बार फिर यूसीसी कंसल्टेशन के लिए 14 जून 2023 को एक पृष्ठ का नोटिस जारी करने की करें तो, समान नागरिक संहिता का मुद्दा एक बार फिर गरमा रहा है इस मुद्दे पर लॉ कमिशन एक बार फिर कंसल्टेशन पेपर जारी करने जा रहा है, इसके लिए सार्नजनिक और धार्मिक संगठनों से राय मांगी गई है. आयोग ने बुधवार (14 जून) को एक बयान जारी कर कहा कि 22 वें विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता के बारे में मान्यता प्राप्त धार्मिक संगठनों के विचारों को जानने के लिए फिर से निर्णय लिया है जो लोग रुचि रखते हैं और इच्छुक हैं वे अपनी राय दे सकते हैं। आयोग ने विचार प्रस्तुत करने के लिए 30 दिन का समय दिया है।कर्नाटक हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस कीअध्यक्षता वाले 22वें लॉ कमीशन ने इच्छुक लोगों से अपने विचार अपने वेबसाइट या ईमेल पर देने के लिए कहा, उल्लेखनीय है कि 22वें विधि आयोग को हाल में तीन साल का कार्य विस्तार दिया गया है, इसने कानून एवं न्याय मंत्रालय की ओर से एक पत्र भेजे जाने के बाद समान नागरिक संहिता से जुड़े विषयों की पड़ताल शुरू कर दी है। भारत में विभिन्न धर्मों के बीच शादी, तलाक, गोद लिए जाने जैसे निजी मामलों को एक ही कानून के तहत लाने के लिए सरकार देश में यूनिफार्म सिविल कोड लाना चाहती है, लेकिन भारत धर्मनिरपेक्ष और विविधताओं से भरा एक देश है और इसीलिए जहां कुछ लोग इसके समर्थन में हैं वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो इसका विरोध कर रहे हैं बता दें कि जरूरत पड़ने पर आयोग व्यक्तिगत सुनवाई या चर्चा के लिए किसी व्यक्ति या संगठन को बुला सकता है। साथियों बात अगर हम विधि आयोग के 2018 में जारी किए गए कंसल्टेशन पेपर की करें तो, विधि आयोग ने एक सार्वजनिक नोटिस में कहा,शुरूआत में भारत के 21वें विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता पर विषय की जांच की थी और 07.10.2016 की एक प्रश्नावली और 19.03.2018, 27.03.2018 और 10.04.2018 की सार्वजनिक अपील/नोटिस के साथ अपनी अपील के माध्यम से सभी हितधारकों के विचारों का अनुरोध किया था। इसके अनुसरण में, आयोग को भारी प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई थी।

21वें विधि आयोग ने 31.08.2018 को पारिवारिक कानून में सुधार पर परामर्श पत्र जारी किया था।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक, राकेश भारद्वाज द्वारा मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, ए-15, बड़ा बाग, जीटी करनाल रोड इन्डस्ट्रीयल एरिया, नई दिल्ली-33 से मुद्रित एवं 7/1 बल्लूपुर रोड, डॉ. टी पटनायक के सामने, कृष्णा नगर चौक के पास देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित। एक्शन इंडिया में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र देहरादून ही होगा।

सम्पादक: रवि भारद्वाज (+919999889104)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

छत्रपति शिवाजी की निर्माता-वीरमाता जीजाबाई

मृत्युंजय दीक्षित

बालपन से ही वीरता की प्रतिमूर्ति - मां जीजाबाई, बचपन से ही शस्त्र सञ्चालन सीखना चाहती थीं औरउनके पिता लखूजी जाधवराव ने जो अपनी कन्या से अत्यंत स्नेह करते थे उनकी इस इच्छा को पूरा करने में कोई कोई कसर नहीं छोड़ी । शस्त्र कौशल में निपुण जीजा को उनके भाई रणचंडिका कहते थे । समय आने पर पिता जाधवराव वीर पुत्री जीजाबाई के लिए शूरवीर वर खोजा । वीर बालिका जीजा ही शाह जी की पत्नी और छत्रपति शिवाजी की मां के रूप में विख्यात हुईं। जिस समय जीजाबाई अपने भाईयों के साथ शस्त्र चलाना सीख रही थीं उस समय भारत पर मुगल आक्रमण हो रहा था। मुगल आक्रमणकारी भयानक रूप से हिंसा, मारकाट और लूट पाट कर रहे थे। मुगलों के सैनिक सामान्य हिन्दू जनता पर तरह- तरह के अत्याचार कर रहे थे। चारों ओर से मार काट, महिलाओं के अपहरण तथा शीलभंग, मंदिरों के ध्वंस, लूटपाट व आगजनी की ही सूचनाएं आ रही थीं । मुगलों के अमानवीय और निकृष्ट अत्याचारों के कारण हिंदू समाज विचलित था । जीजाबाई के पिता लखूजी जाधवराव स्वयं भी शस्त्रास्त्र चलाने में प्रवीण थे। लखूजी के पिता और दादा खेती में अधिक मन लगाते थे परंतु लखूजी ने अपने घर के लोगों को सैनिक शिक्षा दी तथा निजी सेना रखना प्रारंभ किया। वे कुलाभिमानी, महत्वाकांक्षी और पराक्रमी थे। जीजाबाई का विवाह काल और परिस्थिति के अनुकूल छोटी अवस्था में ही हो गया था। होली पर रंगपंचमी का उत्सव लखूजी के घर पर मनाया जा रहा था उस समय मोलाजी अपने बच्चे के साथ उत्सव में शामिल हुए थे नृत्य देखते हुए अचानक लखूजी जाधव ने जीजाबाई और मोलाजी के पुत्र शाहजी को एक साथ देखा तो और उनके मुख से निकला वाह क्या जोड़ी है।मोलाजी ने उनकी बात को सुन लिया और बोले, ह्फिर तो मंगनी पक्की है। मोलाजी के पुत्र शाहजी भोसले ओर लखूजी की पुत्री जीजाबाई का विवाह संपन्न हुआ। विवाहोपरांत जीजाबाई ने 6 पुत्री व दो पुत्रों को जन्म दिया उसमें से ही एक शिवाजी थे।

पत्थर की बात

डॉ. सुरेश कुमार

वह बेल्ट, लात-घूंसों से पीटा गया था। रोता-चिल्लाता धड़ाम से फर्श पर ऐसा गिरा कि उसकी चोटों से शर्मिंदा होकर हाइड्रोजन अणु ऑक्सीजन के परमाणु से मिलकर अश्रुजल बनने से मना कर रहा था। आदमी जब कुछ नहीं कर सकता, रो तो सकता है। अब वह रो भी नहीं सकता। पता चला है कि रोने का पेटेंद किसी ने अपने नाम से सुरक्षित करवा लिया है। आजकल वह इसका इस्तेमाल केवल जनता को भावनात्मक ढंग से बेवकूफ बनाकर वोट बटोरने के लिए कर रहा है।

'सर जी हमने इसको पीटने को तो पीट दिया लेकिन इसकी पहचान करना भूल गए!' अट्ठावन इंच की तोंदवाला कांस्टेबल बोला। इसे पहचानने की क्या जरूरत। पत्थरबाजों की भीड़ में यह भी था। पत्थरबाजों का एक ही मजबह होता है और वह है.... लेकिन इसके हाथ में पत्थर तो नहीं था...फिर इंस्पेक्टर ने कांस्टेबल की बात को बीच में ही काटते हुए झ नहीं था का क्या मतलब। उसने मारा होगा...हम खुशकिस्मत वाले थे कि हमें नहीं लगा। समझे। फिर भी एक बार इसकी अच्छे से तलाशी लो। हो सकता है कि इसका कोई कनेक्शन आतंकवादी संगठन से निकल आए। न भी निकले तो अपने किसी छोटे-मोटे केस में इसी को मुख्य अपराधी बताकर केस सॉल्व कर लो। जब हमने इसको इतना पीटा है तो पूरा लाभ उठाने में ही समझदारी है। उसके पर्स से आधार मिला!! माँ की दवाइयों की पर्ची!! गोद में उठाए बिटिया की तस्वीर!! कई परतों में फोल्ड एक ऐसा पत्र जिसमें उसे नौकरी से हटा देने की सूचना और बाकी का हिसाब-किताब था!! 'सर आधार में इसका नाम रामलाल है और पता वहीं का है जहाँ पत्थरबाजी हुई थी!' कांस्टेबल ने घबराते हुए कहा। 'रामलाल! यह कैसे हो सकता है? वह तो पत्थरबाजों के साथ था।' 'लेकिन सर उसका मकान भी तो वही था! अब क्या करें सर यह तो बड़ी मिस्टेक हो गई।' कांस्टेबल ने माथे पर हाथ फेरते हुए कहा। 'लगता है तुम सठिया गए हो। इतना घबराने की जरूरत नहीं। इस पेशे में रहने वाला सही को गलत और गलत को सही बनाने में एक्सपर्ट होना चाहिए। और तुम हो कि बेवकूफों जैसी बात करते हो। बाहर पत्थरबाजी के सबूत पड़े हुए हैं। वहीं उसे सुला देते हैं। तब किसी को संदेह नहीं होगा।

न्यूज फ्लैश

सैमसंग ने सॉल्व फॉर टुमॉरो 2023 की टॉप 30 टीमों की घोषणा की

गुरुग्राम । सैमसंग इंडिया ने आज अपने यूथ एजुकेशन एवं इनोवेशन कॉम्पटीशन 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' की टॉप 30 टीमों की घोषणा कर दी है। सैमसंग ने इस प्रतियोगिता की शुरूआत देश के युवाओं के बीच आधुनिक सोच को विकसित करने और समस्या का समाधान करने की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की है। इस प्रतियोगिता में 16-22 वर्ष के युवाओं की ओर से चार विषयों से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए आइडिया आमंत्रित किए हैं। इन चार विषयों में एजुकेशन एवं लर्निंग, हेल्थ एवं वैलनेस, एन्वायरमेंट एवं सस्टेनेबिलिटी और डायवर्सिटी एवं इनक्लूजन शामिल हैं। सॉल्व फॉर टुमॉरो 2023 में पूरे देश भर से टीमें शामिल हो रही हैं। इन टीमों ने भारत की विभिन्न समस्याओं के समाधान से जुड़े आइडिया पेश किए हैं। प्रतियोगिता को देश के 500 शहरों, कस्बों और गांवों के युवाओं की ओर से 70,000 से अधिक रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए हैं। इस सीएसआर प्रोग्राम के इस दूसरे साल के लिए, सैमसंग इंडिया ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्टार्टअप हब और वक्ष्ळ दिल्ली के फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के साथ साझेदारी की है। श्री ह्यून किम, कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया ने कहा, ह्लसैमसंग में, हम युवाओं की उन शक्तियों का उपयोग करने में विश्वास करते हैं जो अपने कौशल और क्षमताओं से समाज के अंदर बदलाव ला सकते हैं। हमारा फ्लैगशिप सीएसआर प्रोग्राम सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो देश के युवाओं के मन में इनोवेशन की भावना को जगाता है। हमने जिन टॉप 30 टीमों का चयन किया है, वे प्रतियोगिता के अगले चरण में कदम रखेंगी। यहां हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि डिजिटल इंडिया को सशक्त बनाने में अपना योगदान करते हुए ये आइडिया आगे चलकर क्या आकार लेते हैं

जॉल्व ने ग्लोबल स्कॉलरशिप प्रोग्राम लॉन्च किया

गुरुग्राम। वैश्विक नागरिकों को वित्तीय उत्पादों की निष्पक्ष उपलब्धता संभव बनाने वाले एवं क्रॉसबॉर्डर वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाले ग्लोबल बैंक, जॉल्व ने अपने जॉल्व स्कॉलरशिप प्रोग्राम की घोषणा की है। 50,000 डॉलर की यह स्कॉलरशिप राशि पूरे विश्व में 10 चयनित विद्वानों को वितरित की जाएगी। इस स्कॉलरशिप के लिए आवेदन 15 अप्रैल, 2023 से शुरू हो चुके हैं, और 30 जून, 2023 तक चलेंगे। इस प्रोग्राम के परिणामों की घोषणा 1 अगस्त से 15 अगस्त, 2023 के बीच की जाएगी। जॉल्व स्कॉलरशिप प्रोग्राम का उद्देश्य विश्व में उन युवा नेतृत्वकताओं को पहचानना है, जो उत्कृष्टता, नेतृत्व की क्षमता और सकारात्मक प्रभाव लाने का जुनून प्रदर्शित करते हैं। इस स्कॉलरशिप के लिए एक विस्तृत प्रक्रिया का पालन किया जाएगा, जिसमें इंटरव्यू और पैनल वार्ताएं शामिल होंगी और यह हर साल आयोजित होने वाला कार्यक्रम होगा।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने देशव्यापी विशाल रक्तदान अभियान शुरू किया

नोएडा। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने आज अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत एक विशाल रक्तदान अभियान लॉन्च करने की घोषणा की है। इस अवसर पर श्री शक्ति मोहन अवस्थी, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, नोएडा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए और उन्होंने एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के एमडी श्री होंग जु जीयोन के साथ इस रक्तदान अभियान का उद्घाटन किया। छह से आठ हफ्तों में यह अभियान एलजी के 51 कार्यालयों को शामिल करेगा और इसका लक्ष्य रोटरी क्लब, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी और राज्य तथा जिले के विभिन्न अस्पतालों समेत ब्लड बैंक्स के साथ मिलकर पूरे भारत में 100 कैम्प आयोजित करना है। लाइफ इज गुड व्हेन लाइफ इज शेयर्ड की मुख्य थीम पर एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने सार्थक हस्तक्षेपों के द्वारा भारत में अपने सफल परिचालन के 26 वर्ष पूरे होने को यादगार बनाने की योजना बनाई है। एलजी इस साल देश में 100 कैम्प लगाकर अपने प्रयासों को बढ़ावा देना चाहता है। इस विशाल रक्तदान अभियान के माध्यम से कंपनी रक्तदान के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना चाहती है।

कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन फुटवियर इंडस्ट्रीज ने फुटवियर उद्योग को आगे बढ़ाने की योजना बनाई

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन फुटवियर इंडस्ट्रीज ने 27 जुलाई को आयोजित होने वाले अपने 7वें इंडिया इंटरनेशनल फुटवियर फेयर की भव्य योजनाओं की घोषणा करने के लिए आज एक कार्यक्रम का आयोजन किया। आईआईएफएफ का आयोजन 27 जुलाई 2023 को नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में किया जाएगा। मशहूर वार्षिक बी2बी मेला प्रदर्शकों के लिए नए डिजाइन और उत्पादों के प्रदर्शन के साथ-साथ फुटवियर क्षेत्र के विभिन्न उद्योग कर्मियों और उद्यमियों के लिए नेटवर्किंग और व्यापार के अवसरों का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। सीआईएफआई के नेशनल प्रेसिडेंट वी नौशाद ने अपने विचारों को साझा करते हुए कहा, भारतीय फुटवियर सेगमेंट पहले से ही तेज गति से विस्तार कर रहा है, इस तरह के उद्योग आयोजन इसके विकास को अगले स्तर तक लेकर जाएंगे। साल-दर-साल हमने देखा है कि आईआईएफएफ काफी बड़ा होता जा रहा है, न केवल संख्या के मामले में, बल्कि मूल विचारों को पैदा करने और व्यावहारिक समाधान पेश करने के लिए एक प्रभावशाली नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म के रूप में यह मूल्यों को सामने लेकर आता है। हमें पूरा विश्वास है कि इस वर्ष का मेला इस क्षेत्र में एक गेम चेंजर बन जाएगा और इसके सभी प्रतिभागियों के लिए इसके फायदों अधिकतम लाभ उठाने के लिए एक बेहद उपयोगी कार्यक्रम होगा।

'पन्ना प्रमुख करे जन सेवक की तरह कार्य'

कांग्रेस तो प्रदेश तक का भी संगठन नही बना पाई, भाजपा पहुंच गई है पन्ना प्रमुख तक : धनखड़

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

इसराना हलके के पन्ना प्रमुख सम्मेलन का मतलौडा की अनाज मंडी में शुक्रवार को आयोजन किया गया, जिसमे कई हजार पन्ना प्रमुखों ने भाग लिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़, राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार, लोकसभा सांसद संजय भाटिया, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता, पानीपत शहर विधायक प्रमोद विज, ग्रामीण विधायक महीपाल ढांडा व मेयर अवनीत कौर ने भारत माता, पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। इसके बाद कार्यक्रम के संयोजक

एवं राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार ने पगड़ी पहनाकर प्रदेश अध्यक्ष धनखड़ का स्वागत किया। जबकि पानीपत जिला की ओर से भाजपा जिला अध्यक्ष डा अर्चना गुप्ता ने धनखड़ का बुके देकर स्वागत किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने जिला अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता, मंडल अध्यक्ष योगेश भादड, सोमबीर मलिक व सतबीर पांचाल का पगड़ी पहनाकर तथा मंडल पालक सरदार अमरजीत सिंह कोहली, अशोक कटारिया तथा राममेहर मालिक, मंडल प्रभारी सुनीता गोयल ,राजेश जागलान तथा सुमित जागलान, जिला मंत्री सुनील परढाना का शाल भेंट कर सम्मानित किया। वहीं ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा की सभी पन्ना प्रमुख अपने पन्ने के लोगों के दुख-सुख में शामिल होकर एक अच्छे पड़ोसी होने के नाते उनकी मदद करे।

पन्ना प्रमुख में सेवा भाव होना भी जरूरी है और केवल वोट लेना हमारा हमारा ध्येय नही है बल्कि समाज सेवा भी हमारा उद्देश्य है। धनखड़ ने कहा की कांग्रेस का अभी तक प्रदेश का भी संगठन नही बना है। कुमारी सैलजा तथा अशोक तंवर भी अपना संगठन नही बना पाए थे अब उदयभान भी संगठन नही बना पाए, ये क्या भाजपा का मुकाबला करेंगे जबकि भाजपा पन्ना प्रमुख तक पहुंच गई है।

उन्होंने अंत में पन्ना प्रमुखों से कहा की देश के तेज विकास तथा देश के गौरव को विश्व में सतत बढ़ते रहने के लिए तथा विश्व गुरु बनाने के लिए आज से ही जुट जाएं। कार्यक्रम के संयोजक तथा राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार ने कहा की मोदी जी सभी वर्गो को साथ लेकर चल रहे है।

जमीन पर कब्जा करने को लेकर 14 पर एफआईआर दर्ज

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)

अंबाला में प्रशासन द्वारा कब्जा छुड़वाने के बाद ग्रामीणों ने फिर 45 एकड़ पंचायती जमीन पर कब्जा कर लिया। मामला मुलाना थाना के अंतर्गत आने वाले गांव गगनहेड़ी का है। पुलिस ने सरपंच की शिकायत पर 14 ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सरपंच नरेंद्र सिंह ने बताया कि गांव की पंचायती देह की जमीन पर काफी लोगों ने नाजायज कब्जा किया हुआ था। जिला प्रशासन द्वारा ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करके 18 मई को पंचायत को कब्जा दिलाया था। 27 मई को जरनैल सिंहए पवन कुमार व मनीष कुमार ने पंचायती जमीन पर ट्रैक्टर चला जुताई कर ली। सरपंच ने बताया कि काकाए गरीब दासए सिंगराम संजीव कुमारए बलबीर सिंहए कृष्ण और विरेंद्र ने 12 जून और कल गुरुवार को भी मोहन लालए प्रवीण कुमार और सतिंद्र ने पंचायती जमीन पर जुताई की। वहींए करनैल सिंह ने पंचायती जमीन पर कब्जा करने के लिए गुहारा कर रखा है। सरपंच ने बताया कि इस संदर्भ में पंचायत अधिकारी साहा को भी सूचित किया है। सरपंच ने बताया कि उसके गांव के बलबीर सिंह ने नाजायज कब्जा छुड़वाने के खिलाफ हाईकोर्ट में केस दायर किया हुआ है। कोर्ट में स्टे लगाया हुआ है। मुलाना थाना पुलिस ने सरपंच की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ धारा 447ए 511 व 120बी के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाजपा में लम्बी है नाराजगी छुपाये बैठे लोगों की लिस्ट

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा।

भाजपाईयों में यकायक बेचैनी बढ गई है, या यूं कहें कि बेचैन लोग अब अपनी पीडा का इजहार करने लगे हैं। जिलाध्यक्ष मधु शर्मा ने जनप्रतिनिधियों के साथ अनबन के बाद पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे की जो वजह मधु शर्मा ने बताई है, वह चैंकाने वाली है। सोशल मीडिया पर इसके बाद प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। कार्यकर्ता खुल कर सामने आ रहे हैं। सहकारिता के चुनाव में विधायकों, एमएलसी द्वारा अपने परिजनों को तवज्जो दिये जाने का आरोप लगाते हुए मधु शर्मा ने पद से इस्तीफा दिया। विधायक राजेश चौधरी, मंत्री चौधरी लक्ष्मीनरायण, विधायक पूरन प्रकाश, एमएलसी आदि ने बैठक में अपने परिजनों के नाम आगे कर दिये। इसका विरोध जिलाध्यक्ष मधु शर्मा ने किया। इसी को लेकर विवाद बढा और मधु शर्मा ने इस्तीफा दे दिया। जैसे ही यह बात कार्यकताओं तक पहुंची कार्यकताओं की प्रतिक्रया सामने आने लगी। अभी तक जो कार्यकर्ता चुप बैठे थे वह भी मुखर होकर सामने आने लगे हैं। वहीं जनप्रतिनिधियों ने इस पूरे मामले पर चुप्पी साध ली है। मधु शर्मा ने कार्यकर्ताओं का पक्ष लिया है और जनप्रतिनिधियों पर परिवारवाद का आरोप लगाया है। जिलाध्यक्ष ने कहा है कि जब सब इन्हीं के खाते में चला जाएगा तो कार्यकर्ता को कैसे संतुष्ट किया जाएगा जो लगातार काम कर रहे हैं। मथुरा भाजपा में हलचल मची हुई है। इसके बाद तमाम नेता और पार्टी के चुने हुए जनप्रतिनिधि असहज महसूस कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर आम कार्यकर्ता मधु शर्मा का पक्ष लेते दिख रहे हैं। कई कार्यकर्ता चैंकाने वाली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक कार्यकर्ता ने कहा कि कोई काम पडने पर एक ही बहाना बना दिया जाता है कि उनकी चल नहीं रही है। जबकि जनप्रतिनिधि अपने सभी काम करा लेते हैं। जनता का कोई काम लेकर जाएं तब भी यही कह दिया जाता है।

प्रमोशन की नई नीति के खिलाफ जमकर बरसे कर्मचारी

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने सरकार की कर्मचारी विरोधी नीति प्रमोशन में टेस्ट पास करने की शर्त के ड्राफ्ट को जलाकर विरोध प्रकट किया। मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। सर्व कर्मचारी संघ के कार्यकताओं ने ब्लाक प्रधान सतनाम सिंह व सचिव अरुण कुमार के नेतृत्व में एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में प्रमोशन में टेस्ट की शर्त के ड्राफ्ट को वापिस लेने । कौशल रोजगार निगम को भंग कर कच्चे कर्मचारियो को पक्का करने तथा एनपीएस को खत्म कर पुरानी पेंशन बहाली की मांग की गई। प्रदर्शन में शामिल नगरपालिका कर्मचारी संघ के इकाई प्रधान मांगे साहिब व सचिव विजय कुमार ने एसडीएम महोदया के संज्ञान में लाया कि नगरपालिका में पे-रोल के सफाई कर्मचारियों को सरकार के निर्देशों के बावजूद समान कसम समान वेतन नही दिया जा रहा है।

मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी के 3डी मॉडल का मेयर, नगर आयुक्त ने किया अनावरण

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा।

वृंदावन नगर निगम ने रिसिटी नेटवर्क और एलायंस टू एंड प्लास्टिक वेस्ट के सीएसआर फण्ड के सहयोग से नगला कोल्हू स्थित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट, मथुरा में महापौर विनोद अग्रवाल एवं नगर आयुक्त अनुनय झा द्वारा अत्याधुनिक 250 मेट्रिक टन प्रतिदिन मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) के निर्माण के लिए भूमि पूजन कर एमआरएफ के 3डी मॉडल का अनावरण किया गया। जिसमे अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार नगर निगम मथुरा वृन्दावन, एईपीडब्ल्यूडी से ईशा शार और नगर निगम मथुरा वृन्दावन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित

रहे। परिक्रम परियोजना की नीव रिसिटी, एईपीडब्ल्यूडी और मथुरा वृंदावन नगर निगम के संयुक्त पहल द्वारा एक साल पहले रखी गई थी। जिसके अंतर्गत एक एमआरएफ का निर्माण किया जाना है। जिसे रिसिटी नेटवर्क द्वारा आगामी 10 वर्षों तक संचालित किया जायेगा। इस अवसर पर नगर आयुक्त अनुनय झा ने अवगत कराया कि यह प्रोजेक्ट स्वच्छ भारत मिशन के अनुरूप शहर के अपशिष्ट प्रबंधन और प्रसंस्करण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मथुरा वृंदावन को इस तरह के स्टेट ऑफदी आर्ट एमआरएफ के निर्माण की अतिआवश्यकता है क्योंकि यह मथुरा वृंदावन की सर्कुलर इकोनॉमी यात्रा में एक नए अध्याय की शुरूआत करेगा। यह एमआरएफ प्रति दिन 250 मीट्रिक टन अपशिष्ट का प्रबंधन करने में सक्षम है।

विज ने कार्यकर्ताओं के साथ विकास कार्यों का किया अवलोकन

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)

गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने शुक्रवार को विकास तीर्थ यात्रा के तहत भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकताओं के साथ अम्बाला छावनी में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लेते हुए इन विकास कार्यों बारे कार्यकर्ताओं को जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने शहीदी स्मारक, वार हीरोज मैमोरियल स्टेडियम, बैंक स्क्वेयर, फायर ब्रिगेड भवन, ब्वायज होस्टल, मल्टी लेवल पार्किंग, होम्योपैथिक कॉलेज, सीवरेज ट्रीटमैंट प्लांट सहित अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण करते हुए जायजा भी लिया।

गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने इस मौके पर बताया कि विकास तीर्थ यात्रा के तहत हिन्दुस्तान में जो-जो विकास कार्य हो रहे हैं, उस बारे सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर इन विकास कार्यों बारे जानकारी दी जा रही है। अम्बाला छावनी में अनगिनत विकास परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाने का काम किया गया है। इसके बावजूद जो-जो मुख्य परियोजनाएं एवं विकास कार्य हैं, उनका आज निरीक्षण किया गया है। अखबारों में तो इन विकास कार्यों बारे समय-समय पर जानकारी मिलती है लेकिन मौके पर जाने से काफी कुछ पता चलता है। उन्होंने इस मौके पर बताया कि अम्बाला-दिल्ली राष्ट्रीय

राजमार्ग पर 22 एकड़ में 550 करोड़ रुपये की लागत से शहीदी स्मारक बनाने का काम किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य के तहत सिविल वर्क का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। लगभग 149 करोड़ रुपये की लागत से इंटीरियर वर्क के टैंडर 20 जून को खुलेंगे, जिसके बाद इस कार्य को करवाने का काम किया जाएगा। इंटीरियर वर्क के तहत देश की नामी कम्पनियां इस कार्य को करने में अपना योगदान देंगी। इस अवसर पर वीडियो क्लीप के माध्यम से यहां पर शहीदी स्मारक को जो कार्य होगा, उसकी भी जानकारी दी गई तथा गृह मंत्री ने कार्यकताओं के साथ पूरे शहीदी स्मारक का जायजा लेते हुए कार्यकर्ताओं को इस विशाल स्मारक के बारे में जानकारी दी।

गृहमंत्री ने इस मौके पर यह भी कहा कि उनका पूरा प्रयास रहेगा कि इस भव्य शहीदी स्मारक का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों हो। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि आजादी की पहली लड़ाई अम्बाला छावनी से शुरू हुई थी। कांग्रेस द्वारा हमें यही पढ़ाई गया कि आजादी की लड़ाई में कांग्रेस का योगदान था लेकिन कांग्रेस का जन्म तो 1885 में हुआ था। कांग्रेस के जन्म से 28 साल पहले ही आजादी की लड़ाई की पटकथा शुरू हो गई थी और इसकी शुरूआत अम्बाला से हुई थी। उन्होंने बताया कि यह स्मारक हिन्दुस्तान का सबसे बेहतरीन स्मारक होगा, जिसमें आजादी के अनसंग हीरोज के बारे सम्पूर्ण चित्रण यहां दशार्या जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस स्मारक में तीन चरणों में आजादी की लड़ाई से सम्बन्धित जो घटनाएं एवं इतिहास है, उसे दर्शाया जाएगा।

परिक्रमा मार्ग चौडीकरण में ग्रामीणों ने लगाये भेदभाव के गंभीर आरोप

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा

ब्रज के विकास के लिए नितनई योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। ब्रज विकास तीर्थ परिषद लगातार प्रयास में लगा है। 84 कोसी परिक्रमा के अलावा मथुरा वृंदावन सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों के परिक्रमा मार्गों को भी विकसित किया जा रहा है। इस बीच बरसाना के मानपुर गांव के लोगों ने परिक्रमा मार्ग के चैडीकरण में भेदभाव बरते जाने के आरोप लगाये हैं। बरसाना परिक्रमा का निर्माण हो विरोध देखने को मिला है। बरसाना के मानपुर गांव में बरसाना की परिक्रमा निर्माण को लेकर मानपुर गांव के लोग परिक्रमा चैरीकरण के विरोध में बरसाना नगर पंचायत जाकर चेयरमैन प्रतिनिधि पदमफौजी से मिले। लोगों का कहना है कि पुराने समय में यहां से बरसाना परिक्रमा नहीं थी। लेकिन फिर भी बनाई जा रही है। पहले रास्ता जितना था उसी पर परिक्रमा का निर्माण हो रहा था, गांव वालों का कहना है कि अचानक मानपुर में परिक्रमा मार्ग चैडीकरण बिना नोटिस के ही करने के लिए निशान लगा दिये गये। परिक्रमा मार्ग एक तरफ से ही क्यों चैडा किया जा रहा है। जब परिक्रमा मार्ग चैडा करना ही हं तो दोनों तरफ से क्यों नहीं हो रहा। मानपुर गांव के लोगों का कहना है कि हम राजनीति के शिकार हो रहे हैं। कोई पैमाइश परिक्रमा मार्ग की नही बतायी जा रही। गांव वालों की बात सुन चेयरमैन प्रतिनिधि पदमफौजी ने परिक्रमा मार्ग को स्वयं देखने और उच्चाधिकारियों से बात कर समाधान करने की बात कही। जिसमें मानपुर गांव से गोविंद सिह, विजयसिंह, छैलबिहारी, राजवीर सिंह, राधे श्याम, मंगल, कालीचरन, महाराज सिहं, शिवराज, सजन, सत्तों आदि ने शिकायत की है।

बीएनआई ने भारत में अपने 50,000 से ज्यादा सदस्यों की उपलब्धि का जश्न मनाया

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

दुनिया के सबसे बड़े रेफरल मार्केटिंग संगठन, बिजनेस नेटवर्क इंटरनेशनल (बीएनआई) ने भारत में पचास हजार सदस्यों के आंकड़े को पार कर लिया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को प्राप्त करने के साथ ही बीएनआई ने भारत के टियर 3 एवं 4 शहरों में लघु उघोगों को सशक्त बनाने के लिए एक अभूतपूर्व पहल की भी घोषणा की है। बीएनआई के संस्थापक और चीफ विजनरी ऑफिसर डॉ. इवान मिस्नर ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जाहिर की व उत्साहवर्धन के लिए भारत का दौरा भी किया। वैश्विक महामारी से उत्पन्न चुनौतियों एवं कठिनाइयों के बावजूद बीएनआई ने भारत में मजबूती से अपनी भूमिका निभाई व विकास की गति को जारी रखा । बीएनआई ने देश के 121 शहरों में स्थित 1080 चैप्टर्स में 50,830 सदस्यों के साथ अपनी मौजूदगी को मजबूती से स्थापित किया है।

यमुना प्रदूषण पर करोडों खर्च करने के बाद फिर जनसंवाद

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा।

पृथ्वी गोल है। यमुना को प्रदूषण मुक्त करने की कवायद में करोडों खर्च के बाद फिर जनसंवाद की जरूरत महसूस हुई है। जिलाधिकारी पुलकित खरे ने कलेक्टेज्ट में आयोजित यमुना संवाद के दौरान कहा कि जनपदवासियों के सहयोग एवं जनसहभागिता के माध्यम से यमुना का शुद्धीकरण किया जा सकता है। हम सभी को यमुना के शुद्धीकरण के लिए आगे आना होगा तथा यमुना की प्रवाह को अविरल बनाने का प्रयास करना होगा। यह सब तभी संभव है जब आप सभी का सहयोग होगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि जब जागो तभी सवेरा होता है, इसलिए हमें मिलकर यह कार्य प्रारम्भ करना है और यमुना मैया को स्वच्छ बनाना है। नगर निगम मथुरा वृन्दावन में यमुना का प्रवाह लगभग 16 किमी है, जिसमें विभिन्न प्रसिद्ध घाट आते हैं। संवाद में जनपद के पत्रकारों, समाजसेवियों, गणमान्य व्यक्तियों, प्रबुद्धजनों, एनजीओ आदि ने अपने अपने सुझाव तथा जानकारी सांझा की, जिसमें यमुना की सफाई, प्रदूषण से मुक्ति, अविरलधारा आदि के संबंध में अपने विचार रखे। लोगों ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की गुणवत्ता की जांच कराने के सुझाव रखे। जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सात सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की जांच की जायेगी। संवाद में लोगो ने घाटों एवं यमुना के किनारे बनी दुकानदारों को वेस्ट सेग्रीगेशन करवाने के सुझाव रखे। कूड़े को सही तरीके से डिस्पोज करने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जनपद में पॉलीथीन को पूर्ण रूप से बंद करते हुए जूट के थैले का प्रयोग करने हेतु जन जागरूक करनी चाहिए। संवाद में लोगों ने यम

बस स्टैंड के नजदीक रेहड़ी फड़ी लागने को लेकर जमकर हुआ विवाद

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)

अम्बाला शहर के बस स्टैंड के पास पार्किंग में एक बार फिर रेहड़ी फड़ी लगाने को लेकर जमकर हंगामा किया। रेहड़ी फड़ी वालों ने पार्किंग में रेहड़ियां लगानी शुरू कर दी जिसके बाद दुकानदार भी एक जुट हो गए। दुकानदारों का कहना था कि यदि पार्किंग में वाहन नहीं लगेंगे तो दुकानों के आगे वाहन खड़े करने शुरू कर देंगे। उन्होंने विरोध स्वरूप अपनी दुकानें बंद कर दी। मामलें की गंभीरता को देखते हुए कुछ लोग जीएम के पास भी पहुंचे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वहां रखे मेज व अन्य समान हटाया

गया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को चेतावनी भी दी और उक्त स्थान को खाली करवाया। बस स्टैंड के बाहर जो लोग रेहड़ियां लगाते है उन्हें हटाया गया था लेकिन आज सुबह आज रेहड़ी फड़ी वाले उक्त स्थान पर आए और अपनी दुकाने लगाने शुरू कर दी जिसके चलते दुकानदारों ने विरोध करना शुरू कर दिया।

एसएचओ विरेन्द्र सिंह व नगर निगम की टीम के बाद रेहड़ी फड़ियां हटाई गई लेकिन रेहड़ी फड़ी वालों को कहना था कि वह गरीब लोग है वह रेहड़ी फड़ी लगा कर अपना व परिवार का पालन पोषण करते है। ऐसे में अब वह सड़क किनारें रेहड़ियां न लगाते हुए उक्त स्थान पर रेहड़ी फड़ी लगा रहे है जिससे न ही रास्ता प्रभावित होगा और न ही किसी व्यक्ति को कोई परेशानी होगी लेकिन इसके बावजूद भी उन्हें यहां रेहड़ी फड़ी लगाने नहीं दी जा रही। उन्होंने प्रशासन की इस कार्यवाही का विरोध किया और कहा कि प्रशासन को चाहिए कि वह उन्हें रेहड़ी फड़ी लगाने के लिए प्रर्याप्त स्थान दें जिससे वह अपना और अपने परिवार का पालन पोषण कर सकें।

गौरतलब है कि इससे पहले भी कई बार रेहड़ी फड़ी वाले धरने प्रदर्शन कर चुके हैं उनका कहना है कि प्रशासन उन्हें इस रोड़ पर रेहड़ी फड़ी नहीं लगाने देता जबकि वह निर्धारित स्थान पर ही रेहड़िया लगा रहे है। ऐसे में यदि कोई परेशानी हो तो बातचीत की जरिए ही समस्या का समाधान किया जा सकता है लेकिन यहां परिस्थिति बहुत विपरित है। जब भी यहां पर रेहड़ी फड़ियां लगाई जाती है।वहीं सूचना मिलते ही जेजेपी नेता विवेक ललाना मौके पर पहुंचे उनका कहना था कि उक्त स्थान पर पार्किंग नहीं थी यहां पर तो पानी का जोहड़ था। उन्होंने कहा कि जो पार्किंग क्षेत्र भी नहीं है। ऐसे में यदि यहां कोई वाहन खड़ा करता है उसके भी चालान काटे जाने चाहिए।

मथुरा में बडे बिजली चोरों पर विद्युत विभाग की कार्यवाही

▸▸ विजलेंस टीम लगातार छापेमार कार्यवाही कर रही है। फरह में दो घरों में 15 किलोवाट की बिजली चोरी पकड़ी है

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा।

बडे बिजली चोरों पर विद्युत विभाग की नजर टेढी हो गई है। विजलेंस टीम लगातार छापेमार कार्यवाही कर रही है। फरह में दो घरों में 15 किलोवाट की बिजली चोरी पकडी है। पांच एसी मीटर बाईपास कर कर सीधे कटिया डालकर चलाए जा रहे थे। प्रबंधन निदेशक दक्षिणांचल विद्युत वितरण

निगम लिमिटेड आगरा के आदेश पर बड़े बिजली चोरों पर कार्यवाही जारी है। एमडी कैंप से प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर मथुरा के फरह क्षेत्र के गांव में प्रवर्तन दल मथुरा व विभागीय टीम के साथ छापामार कार्यवाही कराई गई तो दो घरों में करीब 15 किलो वाट से अधिक की विद्युत चोरी पकड़ी गई है जिनमें पांच से अधिक एसी मीटर बाईपास करके सीधे कटिया से चलाए जा रहे थे। लखमीचंद पुत्र धर्मजीत निवासी ग्राम भैंसा के यहां तीन किलोवाट भार का मीटर लगा था जबकि आठ किलोवाट भार की खपत मिली।

हल्दी 'स्वास्थ्य में सोना' बरसाए

■ हल्दी का मुख्य घटक 'करक्यूमिन' न केवल कैंसर की कोशिकाओं को मारने और उनकी वृद्धि रोकने में सक्षम है

■ करक्यूमिन हमारे शरीर में पहुंच कर धमनियों के भीतर 'प्लाक' नहीं जमने देता है जिससे खून में क्लॉट नहीं बन पाता है

■ करक्यूमिन ने 24 घंटों के भीतर कैंसर की कोशिकाओं को मारना शुरू कर दिया

नई दिल्ली। आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा में चमत्कारी औषधि के ''खिताब' से नवाजी गई हल्दी वैज्ञानिकों की भी पसंद बन गई है और उन्होंने अपने शोध में कैंसर, दिल की बीमारी, डिमेंशिया, गठिया एवं सोरायसिस समेत कई बीमारियों की रोकथाम में भारतीय मसालों की इस ''सरताज' को कारगर पाया है।

कैंसर व दिल की बीमारी में भी कारगर : राष्ट्रपति के निजी चिकित्सक पद्मश्री प्रोफसर (डॉ.) मोहसिन वली ने बृस्पतिवार को कहा कि हल्दी का लोहा अब वैज्ञानिक भी मान रहे हैं। रंग में ही नहीं गुणों में भी ''सोना' हल्दी को सर्दी-जुकाम से लेकर कैंसर और दिल से जुड़ी बीमारियों से लड़ने में सक्षम पाया गया है।

हल्दी ''प्लाक' नहीं जमने देती : हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. मोहसिन वली ने कहा वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि हल्दी का मुख्य घटक ''करक्यूमिन' न केवल कैंसर की कोशिकाओं को मारने और उनकी वृद्धि रोकने में सक्षम है बल्कि वह हमारे दिल का सबसे अच्छा दोस्त भी है। करक्यूमिन हमारे शरीर में पहुंच कर धमनियों के भीतर ''प्लाक' नहीं जमने देता है जिससे खून में क्लॉट नहीं बन पाता है। क्लॉट बनने से ह्रदयाघात का गंभीर खतरा हो जाता है। इसके अलावा प्लाक नसों को संकरा बना देता है जिससे खून का प्रवाह बाधित होने लगता है।

खराब कोलेस्ट्रॉल कम करे: हल्दी का उचित मात्रा में सेवन करने से हल्दी का यह पीला घटक खराब कोलेस्ट्रॉल को 56 फीसदी तक घटाकर कोलेस्ट्रॉल ऑक्सिडेशन को कम करता है। यह हमारे खून के सीरम ट्राइग्लिसराइड्स स्तर को भी 27 फीसद तक कम करता है। कुल मिलकर यह टोटल कोलेस्ट्रॉल को भी 33.8 फीसद कम करके दिल को मजबूती से धड़कने में अहम भूमिका निभाता है। इसमें एंटी-इन्फ्लैमटोरी और एंटी-ऑक्सिडेंट गुण भी हैं।

कैंसर और करक्यूमिन का 36 का आंकड़ा है : करक्यूमिन तेजी से बढ़ते कैंसर की कोशिकाओं पर लगाम लगाता है। हल्दी परविदेशों में भी लगातार शोध हो रहे हैं। ब्रिटेन के ''कॉर्क कैंसर रिसर्च सेंटर' में किए गए परीक्षण में करक्यूमिन का प्रयोग में गले की कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में बेहद कारगर पाया गया। डॉ. शैरन मैक्केना और उनकी टीम के अनुसार करक्यूमिन ने 24 घंटों के भीतर कैंसर की कोशिकाओं को मारना शुरू कर दिया।

सोरायसिस में कारगर : अमेरिका और ईरान में भी हल्दी पर नए शोध हुए हैं जिसमें करक्यूमिन को सोरायसिस की बीमारी में कारगर पाया गया है। इस संबंध में ''अमेरिकन एकेडमी ऑफ डरमाटोलोजी' और ईरान की फार्मास्यूटीकल रिसर्च पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित हुआ है।

प्रतिदिन हल्दी खाएं : खाने में पांच ग्राम हल्दी रोज आवश्यक है। दूध में उबालकर लेंने से इसका बेहतर नतीजा मिलता है। कच्ची हल्दी का रस त्वचा पर लगाने और उसका सेवन करने से सोरायसिस की बीमारी में भी बहुत लाभ मिलता है। यह ऊर्जा देने के साथ खून को साफ रखती है।

गठिया में कारगर : हर बीमारी की शुरुआत इन्फ्लैमेशन से ही होती है और कई तरह के ''धारधार हथियारों से लैस' हल्दी ऐसे दुश्मनों को तो पहले ही पटकनी दे देती है। यह हमारे शरीर से फ्री रेडिकल्स को निकाल बाहर करती है। फ्री रैडिकल्स शरीर के जोड़ों पर सूजन पैदा करते हैं जिससे हमें असहनीय दर्द होता है और कालांतर में जोड़ों को बेहद नुकसान भी पहुंचता है। यह गठिया को बीमारी में भी कारगर है।

दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूंढे : भोपाल में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति पीयूष द्विवेदी बताया कि हमने अपने पिछले शोध में हल्दी से दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूंढे हैं जो बिना किसी दुष्प्रभाव के कैंसर की कोशिकाओं को तेजी से मारने में सक्षम होगें। सीटीआर-17 और सीटीआर-20 मॉलिक्यूल विभिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में कारगर साबित हो सकते हैं। हल्दी एंटीसेप्टिक और हीलिंग प्रोपर्टीज पर 12 से अधिक सालों के शोध के बाद इन दो मॉलिक्यूल की खोज हो पाई है। शोध एडवांस स्टेज में है और पूरा होने पर कैंसर के खिलाफ बेहद कारगर हथियार साबित हो सकता है।

अवसाद पीड़ित अधिकतर लोगों का नहीं हो पाता है बेहतर इलाज

विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है, गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है

गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है

लंदन। दुनिया भर में अवसाद से ग्रस्त लगभग लगभग 35 करोड़ लोगों को न्यूनतम उपचार भी प्राप्त नहीं हो पाता है। ''विश्व स्वास्थ्य संगठन' द्वारा 21 देशों के 50,000 लोगों पर करवाए गए एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं वाले विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है। गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है। अध्ययन के अनुसार गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है। शोध की अगुवाई कर रहे ''किंग्स कॉलेज',लंदन के प्रोफेसर ग्राहम थोरनीक्रोफ्ट ने बताया, अवसाद से ग्रस्त अधिकतर लोगों का इलाज बहुत कम हो पाता है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से आह्वान किया कि मानसिक स्वास्थ्य सेवा में बढ़ोतरी के लिए संसाधन और उपाय बढ़ाने चाहिए ताकि अवसाद से ग्रस्त सभी लोगों का बेहतर इलाज हो सके। ''विश्व स्वास्थ्य संगठन' के अनुसार दुनिया भर में सभी उम्र के लगभग 35 करोड़ लोग अवसाद से ग्रस्त हैं जिससे दुनिया भर में कार्य हीनता की स्थिति बढ़ रही है। अध्ययन में सामने आया है कि हालांकि इस बात को लेकर लोगों में जागरुकता बढ़ रही है कि अवसाद का इलाज हो सकता है और मनोवैज्ञानिक उपचारों और ध्यान लगाकर इसका उपचार किया जा सकता है। यह शोध बृहस्पतिवार को ''ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकिएट्री' में प्रकाशित हुआ है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिन्ता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आलस्यजनों में संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाए। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अधीनस्थ मजबूत होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। बेकारों की सहानुभूतियां होंगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

कर्नल के नौकर से किसी ने पूछा, 'तुम्हारे कर्नल साहब का मकान एकदम नाले के सामने है. ऊपर से वह छत पर बिना मच्छरदानी लगाए सोते हैं. क्या मच्छर उन्हें काटते नहीं?'

नौकर बोला, 'वो क्या है कि कर्नल साहब शाम को इतनी ज्यादा शराब पी लेते हैं कि आधी रात तक तो मच्छरों के काटने का उन्हें होश ही नहीं रहता.

आधी रात के बाद जब उन्हें होश आता है तब तक मच्छर इतने धुत हो चुके होते हैं कि उन्हें काटने का ही होश नहीं रहता.'

☺ ☺ ☺

जज (चोर से)-हां रामदीन, अदालत को बताओ कि तीन दिन से तुम बार-बार सुपर क्लॉथ हाउस का ही ताला क्यों तोड़ रहे थे?

चोर (जज से)-क्या बताऊं हुजूर पहले दिन तो मैं वहां अपनी बीवी के लिए साड़ी चुराने गया था, लेकिन मेरी चुराई साड़ियां उसे पसंद नही आई इसलिए दो दिन मुझे उन साड़ियों को बदलने जाना पड़ा.

☺ ☺ ☺

किरायेदार (मकान मालिक से)-जनाब, यह कैसा कमरा है? छत टपक रही है. कमरा तालाब बनता जा रहा है?

मकान मालिक - भैया, मैंने तो पहले ही बोल दिया था कि हर कमरे में पानी का माकूल इंतजाम है.

काकुरो पहेली - 4087

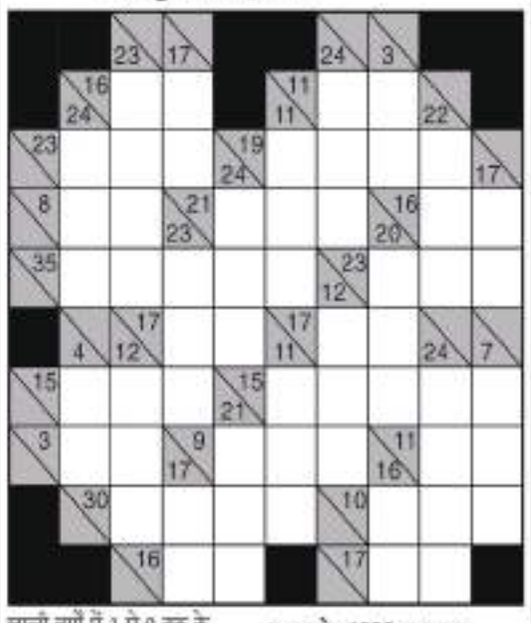

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणार्थ:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

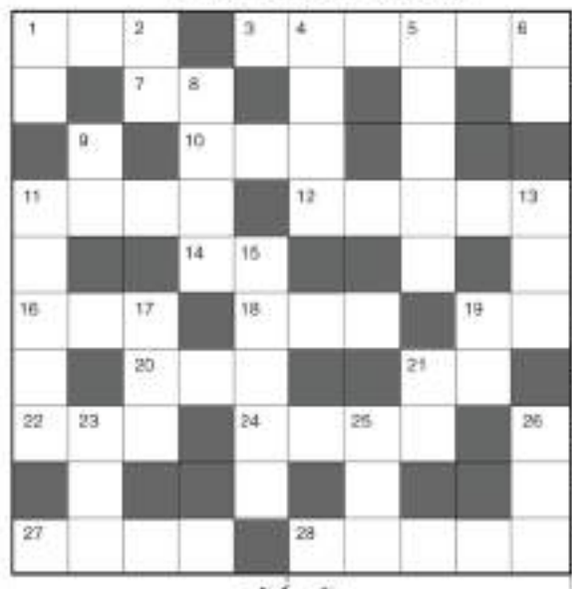

काकुरो -4086 का हल

फिल्म वर्ग पहेली-4087

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सोमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
५. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'हम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'काली नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये चला वहां चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-५
१९. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फराह की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है.?-२
२२. संजयदत्त, फराह की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तुम्हें जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२५. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'यारा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पांव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'कच्ची सुपारी पेटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गीता' में नायक कौन था-२
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली-4086

सूडोकु -4087

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4086 हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

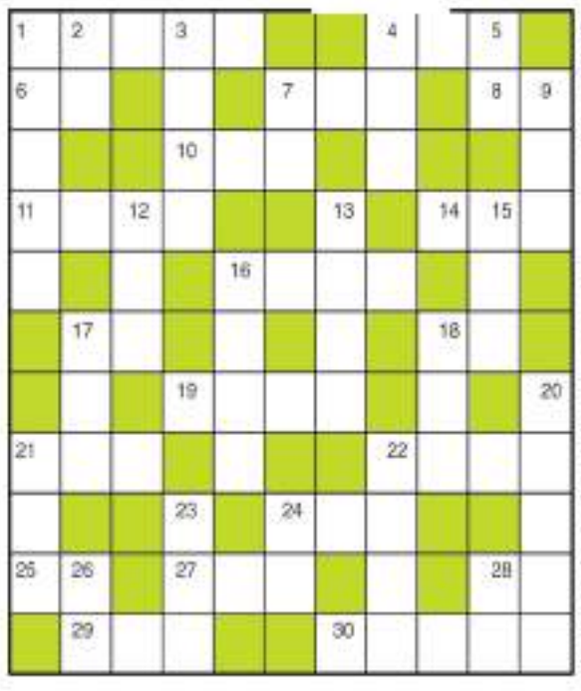

शब्द पहेली -4087

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदीर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवत: -3
22.टर्पेटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,नित-2
28.संपति-2

शब्द पहेली 4086 का हल

भारतीय महिला क्रिकेट टीम जुलाई में करेगी बांग्लादेश का दौरा

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम जुलाई में एक सफेद गेंद श्रृंखला के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की महिला विंग की अध्यक्ष शफीउल आलम चौधरी नडेल, ने क्रिकबज से बातचीत में उक्त जानकारी दी। नडेल ने कहा, हां, हम जुलाई में भारत की महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाफ सफेद गेंद की

सीरीज खेलेंगे और सभी मैच शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। 11 वर्षों में यह पहली बार होगा जब शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय खेल की मेजबानी करेगा। आखिरी बार बांग्लादेश की महिला टीम ने इस स्थान पर 2012 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। भारतीय टीम तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने के लिए छह जुलाई को ढाका पहुंचेगी। टी-20 मैच 9, 11 और 13 जुलाई को खेले जाएंगे, जबकि तीन एकदिवसीय मैच 16, 19 और 22 जुलाई को खेले जाएंगे। सभी मैच दिन में खेले जाएंगे।

रोहित शर्मा से बात करेंगे चयनकर्ता, वेस्टइंडीज दौरे से मिल सकता है आराम

बेंगलुरू। भारत के कप्तान रोहित शर्मा को 12 जुलाई से शुरू होने वाले वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के एक हिस्से के लिए आराम दिया जा सकता है। राष्ट्रीय टीम एक बहु-प्रारूप श्रृंखला खेलेगी जिसमें दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और पांच टी20ई शामिल हैं। टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 चक्र के लिए पहली श्रृंखला है।

रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया को लंदन के द ओवल में हाल ही में संपन्न हुई आईसीसी डब्ल्यूटीसी 2021-23 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। 209 रन की अपमानजनक हार का सामना करने हुए, रोहित और प्रबंधन को शिखर मुकाबले में प्रदर्शन के लिए काफी आलोचना का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से सभी प्रारूपों में जिम्मेदारियों को निभाने के बाद से कप्तान ने व्यस्त कार्यभार का सामना किया है। इसके अलावा उन्होंने आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस का नेतृत्व भी किया, फाइनल से पहले फ्रैंचाइज़ी के लिए अधिकतम मैच खेले। ताजा घटनाक्रम के अनुसार यह समझा जा रहा है कि रोहित को वेस्टइंडीज के आगामी दौरे में कुछ मैचों के लिए आराम दिया जा सकता है।

घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि कप्तान को टेस्ट या आठ मैचों की सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए आराम दिया जा सकता है। सूत्र के मुताबिक, 'रोहित (शर्मा) आईपीएल और इंग्लैंड में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान थोड़े थके हुए लग रहे थे। चयनकर्ता चाहते हैं कि वह वेस्टइंडीज दौरे के कुछ समय तक आराम करें। उसके टेस्ट या आठ मैचों की व्हाइट-बॉल श्रृंखला (तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय) से चूकने की संभावना है। चयनकर्ता रोहित से बात करेंगे और फिर फैसला लेंगे। विशेष रूप से रोहित बल्ले से आउट ऑफ फॉर्म लग रहे थे क्योंकि वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ मैच में 15 और 43 के स्कोर ही बना सके।

वर्ल्ड कप 2023 में खेल सकते हैं ऋषभ पंत, रिहैब में तेजी का प्रयास कर रहा बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारत के विकेटकीपिंग बल्लेबाज ऋषभ पंत दिसंबर 2022 में भयानक कार दुर्घटना का शिकार होने के बाद तेजी से रिकवरी कर रहे हैं। पंत इस समय एनसीए में हैं और हाल ही में एक वीडियो में खुद बिना किसी सहारे के सीढ़ियां चढ़ते हुए नजर आए थे जिसे उन्होंने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि पर शेयर किया था। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई भी पंत के जल्द ठीक होने के लिए पूरी मेहनत कर रहा है ताकि वह विश्व कप में भारतीय टीम में खेल सकें।

हाल ही में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लंदन के द ओवल में पंत की कमी साफ दिखाई दी थी जिसमें भारत को 209 रन से हार मिली। अब बीसीसीआई वर्ल्ड कप 2023 के लिए पंत के ठीक होने के लिए कड़ी तैयारी में हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया, 'ऋषभ पंत के जल्द स्वस्थ होने से बीसीसीआई और बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के मेडिकल स्टाफ को हैरानी हुई है, जहां पिछले दिसंबर में एक गंभीर कार दुर्घटना में बचने के बाद भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज रिहैबिलिटेशन से गुजर रहा है।'

दलीप ट्रॉफी 2023: मनदीप सिंह करेंगे नॉर्थ जोन की कप्तानी

नई दिल्ली। पंजाब के कप्तान मनदीप सिंह 28 जून से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी में उत्तर क्षेत्र टीम की कप्तानी करेंगे।

टीम में पंजाब के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह, तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल और बलतेज सिंह भी शामिल हैं। दिल्ली के बल्लेबाज ध्रुव शौरी और तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी टीम में जगह मिली है, साथ ही सर्विसेज के ऑफ स्पिनर पुलकित नारंग को भी टीम में जगह मिली है, जो उन नेट गेंदबाजों में से एक थे, जिन्हें भारत ने लंदन में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की तैयारी के लिए इस्तेमाल किया था। जम्मू-कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक भी 15 सदस्यीय टीम में हैं। भारत के अंडर-19 कप्तान यश धुल, जो इस सीजन की शुरुआत में शेष भारत टीम का हिस्सा थे, को नहीं चुना गया है।

टीम इस प्रकार है : मनदीप सिंह (कप्तान), प्रशांत चोपड़ा, ध्रुव शौरी, अंकित कलसी, प्रभसिमरन सिंह, अंकित कुमार, पुलकित नारंग, निशांत सिंधु, मनन वोहरा, जयंत यादव, बलतेज सिंह, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, सिद्धार्थ कौल और आबिद मुश्ताक।

स्टैंड-बाय: मयंक डागर, मयंक मारकंडे, रवि चौहान, अनमोल मल्होत्रा, नेहल वढेरा, दिवेश पठानिया, दिविज मेहरा, कुणाल महाजन।

कोचः अजय रात्रा, फिजियोथेरेपिस्टः दीपक सूर्या, ट्रेनरः रजनीश मेहता, परफॉर्मेंस एनालिस्टः अमित शर्मा, मालिशियाः नरेश कुमार मोटला, मैनेजरः कर्नल इशान ए खान।

विश्व एथलेटिक्स ने परिषद चुनावों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी की

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स ने विश्व एथलेटिक्स परिषद चुनाव के लिए दुनिया भर के 31 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप बुडापेस्ट 2023 से दो दिन पहले 17 अगस्त को विश्व एथलेटिक्स कांग्रेस में 31 उम्मीदवारों को परिषद में 18 पदों के लिए चुना जाएगा। इनमें एक अध्यक्ष, चार उपाध्यक्ष और 13 व्यक्तिगत परिषद सदस्य के पद होंगे। इन 18 पदों के अलावा, छह क्षेत्रीय अध्यक्ष होंगे जो पहले से ही अपने क्षेत्रों द्वारा चुने जा चुके हैं या होने की प्रक्रिया में हैं, और एथलीट आयोग के दो सदस्य (एक महिला और एक पुरुष) होंगे जिनका चुनाव अक्टूबर में एथलीट आयोग द्वारा किया जाएगा।

16 अगस्त को प्रत्याशी मंच के दौरान अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी कांग्रेस को संबोधित करेंगे। उम्मीदवारों की सूची में कोई भी संशोधन सीधे वर्ल्ड एथलेटिक्स वेबसाइट के इलेक्शन 2023 पेज पर किया जाएगा।

उम्मीदवारों की सूची इस प्रकार है-

अध्यक्ष पद (एक पद)- सेबेस्टियन कोए

उपाध्यक्ष (चार पद)- नवाफ बिन मोहम्मद अल सौद, राउल चापडो, गोफ गोर्डनर, एबी होफमेन (महिला), एंटी पिलाकोस्की, ज़िमिना रेस्टरिपो (महिला), आदिल सुमरिवाला, जैक्सन तुवई।

व्यक्तिगत काउंसिल सदस्य (13 पद)- तालिब अल सफ्फार, खालिद अमारा, यूको अरिमोरी (महिला), बिट्राइस एईकोरू (महिला), विली बैंक्स, सिलविया बारलग (महिला), राउल चापडो, फतहि सीटिमर, नतालिया दोबरिन्सकया (महिला), नवल अल मोटावकेल (महिला), गर्थ गेल, जीन ग्रेसिया, एबी होफमेन (महिला), अलबर्टो जूआंटोरिना, जेम्स मोलोई, साइडनी मदरसिल (महिला), बदर नासिर, एंटी पिलाकोस्की, एनेटी पूर्विस (महिला), ड्रेना रेनर (महिला), ज़िमिना रेस्टरिपो (महिला), आदिल सुमरिवाला, अन्ना रिकार्डी (महिला), मुहम्मद अकरम साही, टाइगर तेनजुंग, इरिक तेहगमागी, जैक्सन तुवई, नेन वेंग (महिला)।

आईसीसी विश्व कप क्वालीफायर अभ्यास मैच : वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे और श्रीलंका ने दर्ज की जीत

दुबई। वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे और श्रीलंका ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 क्वालीफायर के अपने-अपने अभ्यास मैचों में जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज ने संयुक्त अरब अमीरात, जिम्बाब्वे ने स्कॉटलैंड और श्रीलंका ने संयुक्त राज्य अमेरिका को हराया।

नीदरलैंड्स और नेपाल ने भी जीत के साथ ग्रुप चरण में प्रवेश किया। नीदरलैंड्स ने आयरलैंड को व नेपाल ने ओमान को हराया।

पॉवेल ने वेस्टइंडीज को जीत दिलाई

वेस्टइंडीज की टीम एक समय 198 रनों पर सात विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी, वहां से पॉवेल ने कीमो पॉल के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए 139 रन जोड़े। उन्होंने केवल 55 गेंदों में 105 रन बनाकर विंडीज को नौ विकेट पर 374 रन के स्कोर तक पहुंचाया। पॉवेल के अलावा निकोलस पूरन ने भी 74 रनों के बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली। जवाब में संयुक्त अरब अमीरात की टीम बासिल हमीद के शानदार नाबाद शतक (नाबाद 122) के बावजूद 9 विकेट पर 260 रन ही बना सकी और 114 रनों से मैच हार गई। यानिक करियाह ने वेस्टइंडीज के लिए 58 रन देकर चार विकेट लिए।

जिम्बाब्वे ने स्कॉटलैंड को 6 विकेट से हराया

इस मैच में स्कॉटलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए

38.2 ओवर में 163 रनों पर सिमट गई। स्कॉटलैंड के लिए ब्रैंडन मैक्लम के 49 और मैट क्रॉस ने 32 रन बनाए। जिम्बाब्वे के लिए सीन विलियम्स और ल्यूक जांगवे ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में जिम्बाब्वे ने 25.5 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाकर मैच जीत लिया। सिकंदर रजा ने 44 और जॉयलोर्ड ने 37 रन बनाए। स्कॉटलैंड के लिए माइकल लिस्क ने 2 और क्रिस ग्रीव्स ने 1 विकेट लिया।

श्रीलंका ने संयुक्त राज्य अमेरिका को 198 रन से हराया

एक अन्य मैच में श्रीलंका ने संयुक्त राज्य अमेरिका को 198 रनों से बड़ी शिकस्त दी। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दिमुथ करुणारत्ने (नाबाद 111) और कुसल मेंडिस (105) के शानदार शतकों की बदौलत 50 ओवर में 5 विकेट पर 392 रन बनाए। जवाब में संयुक्त राज्य अमेरिका की टीम 33.2 ओवर में 194 रन पर सिमट गई।

नीदरलैंड्स ने आयरलैंड को 2 विकेट से हराया

इस मैच में आयरलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.2 ओवर में 193 रन पर सिमट गई। आयरलैंड के लिए लोरकेन टकर ने 74 और गैरेथ डेलनी ने 46 रन बनाए।

जवाब में नीदरलैंड्स ने 37.3 ओवर में 8 विकेट पर 196 रन बनाकर मैच जीत लिया। नीदरलैंड्स के लिए विक्रमजीत बारेसी ने 90 रनों की शानदार मैच जीताऊ पारी खेली। विक्रम के अलावा मैक्स ओ डाउद ने 35 रन बनाए।

नेपाल ने ओमान को 3 विकेट से हराया

इस मैच में ओमान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जीशान मकसूद (109) के शतक और आयान खान (56) के अर्धशतक की बदौलत 49.2 ओवर में 267 रन बनाए।

जवाब में नेपाल ने कुशल भुर्तेल (नाबाद 101) के नाबाद शतक और भीम शार्की (56) के अर्धशतक की बदौलत 44.5 ओवर में 7 विकेट पर 274 रन बनाकर मैच जीत लिया।

अश्विन ने दूसरी ही गेंद पर चटकाई पहली विकेट, Carrom Ball ने दिखाया कमाल

चेन्नई। 36 वर्षीय भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल 2023) का अपना पहला विकेट लेने के लिए सिर्फ दो गेंदें लीं। अश्विन इस समय डिंडीगुल ड्रैगन्स की ओर से खेल रहे हैं। अश्विन पहली पारी के चौथे ओवर में ही आक्रमण र आ गए थे। उन्होंने कैरम गेंद फेंकी थी जोकि शुरू में ड्रिफ्ट हुई और डेरिल फेरारियो ने इसे फ्लिक करने की कोशिश की। गेंद फेरारियो के फ्रंट पैड पर लगी, अश्विन ने अपील की और अंपायर ने उंगली उठा ली। बता दें कि अश्विन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में प्लेइंग इलेवन से हटा दिया गया था। अश्विन

अभी भी आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। बहरहाल, अश्विन को डब्ल्यूटीसी फाइनल से बाहर करने पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर भी निराश थे। तेंदुलकर ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर लिखा- टीम इंडिया के लिए कुछ अच्छे क्षण थे, लेकिन मैं रविचंद्रन अश्विन को अंतिम एकादश में बाहर करने के फैसले को समझने में विफल रहा, जो वर्तमान में दुनिया का नंबर एक टेस्ट गेंदबाज है।

तेंदुलकर ने आगे कहा कि अश्विन ने बाएं हाथ के बल्लेबाजों के सामने अच्छा प्रदर्शन किया है और ऑस्ट्रेलियाई टीम के शीर्ष 8 बल्लेबाजों में से 5 बाएं हाथ के बल्लेबाज थे। जैसा कि मैंने मैच से पहले उल्लेख किया था, कुशल स्पिनर हमेशा टर्निंग ट्रैक पर भरोसा नहीं करते हैं, वे अपनी विविधताओं को छिपाने के लिए हवा में बहाव का उपयोग करते हैं और सतह से उछलते हैं। भूलना नहीं चाहिए, ऑस्ट्रेलिया के पास 5 बाएं हाथ के खिलाड़ी थे जो शीर्ष पर थे।

एशिया कप के लिए हाइब्रिड मॉडल स्वीकार, पीसीबी अध्यक्ष सेठी ने एसीसी का किया धन्यवाद

नई दिल्ली । क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) ने आगामी इंटरनेशनल ब्लाइंड स्पोर्ट्स फेडरेशन वर्ल्ड गेम्स 2023, बर्मिंघम में अपनी भागीदारी की घोषणा की। खेलों का आयोजन 18 से 27 अगस्त के बीच होना है और विश्व खेलों में पहली बार ब्लाइंड क्रिकेट को शामिल किया गया है। भारतीय पुरुष और महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीमों ने पहले ही टूर्नामेंट के लिए पंजीकरण करा लिया है। टीमों को आने वाले महीनों में बेंगलुरु में प्रशिक्षित होने की उम्मीद है। सीएबीआई ने 16 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा की जो खेलों में भाग लेगी जबकि पुरुषों की टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। टीम में बी1 और बी3 वर्ग के छह खिलाड़ी और बी2 वर्ग के चार खिलाड़ी शामिल हैं। महिला टीम ने हाल ही में विश्व खेलों की तैयारी के लिए काठमांडू में नेपाल के खिलाफ पांच मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला खेली थी। विश्व खेलों में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी पर बोलते हुए, सीएबीआई के अध्यक्ष, डॉ. महंतेश जी. किवादासन्नवर ने कहा, 'यह भारत में ब्लाइंड क्रिकेट के लिए एक गर्व का क्षण है क्योंकि हमारी टीम विश्व खेलों में भाग लेगी जहां क्रिकेट को पहली बार शामिल किया गया है। इन खेलों से खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन मिलेगा और मुझे उम्मीद है कि वे शानदार प्रदर्शन करेंगे और हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे।

आईबीएसए वर्ल्ड गेम्स 2023 के लिए भारतीय महिला टीम इस प्रकार है-

बी1 वर्ग- वर्षा यू, वलसनैनी रवली, सिमू दास, पधिनी टुडू, किक्कू संध्या, प्रिया।

बी2 वर्ग- गंगव्वा नीलप्पा हरिजन, संद्रा डेविस करीमालिक्कल, बसंती हांसदा, प्रीति प्रसाद।

बी3 वर्ग- सुषमा पटेल, एस. सत्यवती, फूला सरीन, झिली बिरुआ, गंगा संभाजी कदम, दीपिका टी.सी.।

एशिया कप का आयोजन 31 अगस्त से, पाकिस्तान में 4 और श्रीलंका में खेले जाएंगे 9 मैच

नई दिल्ली। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2023 का आयोजन 31 अगस्त से 17 सितंबर तक किया जाएगा, एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने उक्त पुष्टि की।

टूर्नामेंट पाकिस्तान में चार मैचों के साथ शुरू होगा, उसके बाद अंतिम नौ मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। इस साल टूर्नामेंट एकदिवसीय प्रारूप में खेला जाएगा। भारतीय टीम अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगी।

एशिया कप 2023 में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और नेपाल की टीमें हिस्सा लेंगी। नेपाल ने इस साल महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है और वह पहली बार इस टूर्नामेंट में खेलेगा। श्रीलंका इस टूर्नामेंट का डिफेंडिंग चैंपियन है। श्रीलंकाई टीम ने 2022 में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित फाइनल मुकाबले में

पाकिस्तान को हराया था।

लीग चरण में भारत, पाकिस्तान और नेपाल के साथ ग्रुप ए में है, जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान दूसरे समूह में हैं। दोनों समूहों की दो टीमें सुपर फोर राउंड-रॉबिन चरण में प्रवेश करेंगी। इसके बाद राउंड की दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में समर कैम्प का समापन

भोपाल। राजधानी भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में 15 अप्रैल से 15 जून तक हुए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर (समर कैम्प) का खेल एवं युवा कल्याण संचालक रवि कुमार गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में गुरुवार को समापन हुआ। समर कैम्प में इस वर्ष रिकार्ड 4158 खिलाड़ियों ने भागीदारी की।

उल्लेखनीय है कि तात्या टोपे स्टेडियम के समर कैम्प में 17 खेलों में 75 प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया। संचालक गुप्ता ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षकों की अनुशंसा पर समर कैम्प के 17 खेलों के सबसे प्रतिभावान 34 खिलाड़ियों को एक साल का निःशुल्क प्रशिक्षण दिए जाने की घोषणा की। उन्होंने कैम्प की सफलता पर खिलाड़ियों, अभिभावकों, विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया की पहल पर ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर प्रदेश भर में हुआ है। इसमें प्रदेश भर में एक लाख से अधिक बच्चे खेलों से जुड़े हैं।

प्रतिभा चयन

समर कैम्प से चुने हुए सबसे प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रशिक्षकों द्वारा चिन्हित किया गया है। चिन्हित खिलाड़ियों में प्रत्येक खेल से एक बालक और एक बालिका खिलाड़ी शामिल हैं। बैडमिंटन- कृष्णा, खुशी, एथलेटिक्स- सुमित पटेल, अंशिका द्विवेदी, ताईक्वांडो- योगेश कोतवाल, कनिष्का राठौर, कराते- कुशाग्र, साक्षी सेनी, फेंसिंग- आर्य पटेल, तान्या मालवीय, कुश्ती- चेतन यादव, रिया दंग, स्केटिंग- कुराना कुशवाह, हानिया अतीफ खान, जूडो- आयुश श्रीवास, अदिति पांडे, टेनिस- सईद हबीब एहमद, तृप्ति माली, टेबल टेनिस- हर्ष शिल्पी, प्राची प्रजापति, कबड्डी- कनिष्क जोशी, नेहा यादव, बॉक्सिंग- भास्कर, अंशिका, स्क्वैश- तौहिद तनवीर, दीक्षा, जिम्नास्टिक- विनय डरिया, दीक्षा सेन, व्हॉलीबाल- प्रथमेश पाटिल, नत्या थाप्पा, बॉस्केटबाल- अमन थापा, अराधना जोगी, बिलियर्ड एंड स्नूकर- आनंदी। इन सभी खिलाड़ियों को एक वर्ष तक निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं खेल प्रशिक्षकों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इन खेलों में प्रशिक्षण - समर कैम्प में बच्चों को कराते, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, फुटबाल, टेबिल-टेनिस, बॉक्सिंग, कुश्ती, ताइक्वांडो, कबड्डी, लॉन टेनिस, जिम्नास्टिक, जूडो, मलखम्ब योग, बास्केटबाल, बिलियर्ड एंड स्नूकर, फेंसिंग, स्केटिंग, स्क्वैश, व्हॉलीबाल एवं एरोबिक में बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया।

खिलाड़ियों की संख्या - समर कैम्प में 4158 से अधिक बच्चों ने 17 खेल विधाओं में सुबह एवं शाम 2 सत्र में 65 प्रशिक्षकों द्वारा खेलों की बारीकियां सीखी। फुटबाल में 840, बॉस्केटबाल-538, एथेलेटिक्स-495, बैडमिंटन-393, जिम्नॉस्टिक-303 एवं कराते-219 बच्चों ने प्रशिक्षण लिया। इन खेलों में बच्चों ने अधिक उत्साह एवं रूचि दिखाई।

इंट्रामुरल प्रतियोगिता - समर कैम्प में प्रत्येक खेल में विभिन्न आयु वर्ग में इंट्रामुरल प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

गणवेश - खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को निःशुल्क टी-शर्ट विभाग द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रदान की गई।

प्रशिक्षकों का सम्मान - समापन समारोह में 17 खेल में 75 प्रशिक्षकों ने अपनी सेवाएँ दी थी, जिनका मंच पर स्मृति- चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

जायसवाल वेस्टइंडीज श्रृंखला के लिए टीम में मौका पाने के हकदार : पूर्व सलामी बल्लेबाज

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि यशस्वी जायसवाल वेस्टइंडीज में आगामी दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में एक मौका पाने के हकदार हैं। जायसवाल ने घरेलू सर्किट में सभी प्रारूपों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और उनके नाम एक आईपीएल सीजन में अनकैप्ड बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी है।

घरेलू सर्किट पर लगातार अच्छा प्रदर्शन और आईपीएल 2023 में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उन्हें भारत के भविष्य के सुपरस्टार के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत करने में मदद की। ठोस तकनीक और एक अलग स्वभाव के साथ, जायसवाल को वेस्टइंडीज श्रृंखला के लिए भारत की टेस्ट टीम में पुजारा की जगह शामिल किए जाने की उम्मीद है। भले ही वह तत्काल प्रभाव न डालें जायसवाल के पास भारत की दीर्घकालिक नंबर तीन बनने के लिए आवश्यक सभी प्रतिभा और कौशल है।

वसीम जाफर ने कहा, 'यशस्वी जायसवाल निश्चित रूप से उनमें से एक हैं। वह सभी प्रारूपों में शानदार स्कोरर रहे हैं, चाहे आप आईपीएल,

घरेलू क्रिकेट या भारत ए क्रिकेट की बात करें। मुझे लगता है कि उन्हें टीम का हिस्सा बनने की जरूरत है।' जाफर ने कहा, 'उन्हें इस बार भी मौका दिया गया था। वह टीम का हिस्सा थे लेकिन शुभमन गिल और रोहित शर्मा खेल रहे थे, तो जाहिर है कि उन्हें मौका नहीं मिला। मुझे लगता है कि उन्हें टीम के साथ रखा जाना चाहिए ताकि वह तैयार किया जा सके और जब भी अवसर आए उसे एक मौका मिलना चाहिए। गौर हो कि जायसवाल ने 15 प्रथम श्रेणी मैचों में 80.21 की शानदार औसत से 1,845 रन बनाए हैं। मुंबई के सलामी बल्लेबाज ने 9 शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं जिसमें 265 प्रथम श्रेणी की 26 पारियों में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

Fro- t Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 17 जून 2023 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

आदर्श रसोई साल दूसरा - सप्ताह 12वां

'राकेश भारद्वाज चौक' पर मनाया उप प्रधान तरसेम सिंह का जन्मदिन

राकेश भारद्वाज चौक पर आदर्श रसोई ने उपप्रधान तरसेम सिंह का जन्मदिन किया सेलिब्रेट, माला पहनाकर किया अभिनंदन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले "**राकेश भारद्वाज चौक**" पर धूमधाम से आदर्श रसोई के संरक्षक तरसेम सिंह का जन्मदिन मनाया गया।

आदर्श रसोई का एक साल रहा बेमिसाल

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के सबसे मशहूर और व्यस्ततम चौक "**राकेश भारद्वाज चौक**" पर क्षेत्र की सुप्रसिद्ध सामाजिक संस्था "आदर्श रसोई" ने साप्ताहिक रविवारीय कार्यक्रम को बड़े ही उत्साह, हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया। आदर्श रसोई अपने पदाधिकारियों की सेवा, समर्पण और निःस्वार्थ भावना से आज सामाजिक कार्यों में नए आयाम स्थापित कर चुकी है।

तरसेम सिंह ने विधिवत रूप रिबन काटकर की आदर्श रसोई की शुरूआत

अपनी नई और नायाब पहल के लिए मशहूर आदर्श रसोई में इस बार भी कुछ अलग ही देखने को मिला। इस बार "**राकेश भारद्वाज चौक**" पर आदर्श रसोई के उपप्रधान तरसेम सिंह ने रिबन काटकर आदर्श रसोई की विधिवत शुरूआत की। इस मौके पर तरसेम सिंह का परिवार मौजूद रहा। तरसेम सिंह ने श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस मौके पर तरसेम परिवार का सभी पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। वहीं, माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। हर रविवार को राकेश भारद्वाज चौक पर लोगों का हुजूम देखने लायक होता है।

क्या बोले आदर्श रसोई के तरसेम सिंह

इस विशेष मौके पर तरसेम सिंह ने कहा कि "**राकेश भारद्वाज चौक**" पर आदर्श रसोई ने सफलतापूर्वक एक वर्ष पूरा किया है। आदर्श रसोई का सालाना कार्यक्रम अपने आप में सफलता का परचम लहरा चुका है। श्री सिंह ने कहा कि आदर्श रसोई निरंतर और नियमित रूप से राकेश भारद्वाज चौक पर निस्वार्थ रूप से विशेष रविवारीय कार्यक्रम का बड़े ही नायाब ढंग से आयोजन करती है, जिसके सभी मुरीद हैं। सभी पदाधिकारियों का दिल की गहराईयों से अभिनंदन करता हूं। श्री सिंह ने कहा कि मैं शुरू से ही आदर्श रसोई से जुड़ा हूं और आदर्श रसोई की कार्यप्रणाली से परिचित हूं और मुझे इस मंच से यह कहने में कोई झिझक नहीं होगी कि आदर्श रसोई के पदाधिकारी हर रविवारिय कार्यक्रम के लिए पूरी शिद्दत से कार्यकम को भव्य बनाने के लिए मेहनत करते हैं। आज हमारे समाज में आदर्श रसोई जैसी सामाजिक संस्था की जरूरत है जो निःस्वार्थ भाव से समाजसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाएं। इस सामाजिक कार्य के लिए आदर्श रसोई की पूरी टीम को दिल की गहराईयों से अभिनंदन और शुभकामनाएं।

पुण्यआत्मा थे श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी: तरसेम सिंह

श्री सिंह ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि राकेश भारद्वाज जे हम सबके प्रिय थे। उनके दिखाए मार्ग पर अब उनके सुपुत्र रवि भारद्वाज चल रहे है। श्री सिंह ने कहा कि राकेश भारद्वाज जी का आज हमारे बीच न होना बहुत दुखद है। सच्चे दोस्त, जिंदादिली इंसान और समाज के प्रति कुछ कर गुजरने की सोच उनको हम सबसे अलग बनाती थी। जो कुछ राकेश भारद्वाज जी ठान लेते थे उसको अमलीजामा पहनाकर ही दम लेते थे। आदर्श रसोई की नींव भी उन्हीं के सोच का नतीजा है। राकेश भारद्वाज जी आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी सोच और समाज के प्रति दायित्व को आदर्श रसोई के पदाधिकारी और उनके सुपुत्र रवि भारद्वाज मिलकर निरंतर रूप से आगे बढ़ा रहे हैं और दिन-प्रतिदिन आदर्श रसोई नित नए आयाम स्थापित कर रही है जो काबिलेतारीफ है।

लजीज व्यंजनों से सजी थी आदर्श रसोई की थाली

आदर्श रसोई अपने नेक कार्यों के साथ-साथ स्वादिष्ठ, विशेष थाली के लिए भी मशहूर है। इस रविवार विशेष रसोई का आयोजन किया गया। थाली में तंदूरी रोटी, छोले-कढ़ी, आलूमटर, अचार, सलाद, रायता उपलब्ध करवाया गया था। साथ ही सभी को आइसक्रीम भी परोसी गई।

आत्मनिर्भर बनने की ओर हिमाचल प्रदेश के बढ़ते कदम...

पहला कदम बढ़ाया

- बीबीएमबी की परियोजनाओं से पानी निकालने के लिए एनओसी शर्त समाप्त

टीम एक्शन इंडिया/शिमला

हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हिमाचल प्रदेश ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में पहला कदम बढ़ा दिया। अब तक भाखड़ा ब्यास प्रबन्धन बोर्ड बीबीएमबी की परियोजनाओं से पेयजल आपूर्ति और सिंचाई कार्यों के लिए पानी लेने से पूर्व बीबीएमबी से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की आवश्यकता होती थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इस मुद्दे को केन्द्र सरकार से प्रमुखता के साथ उठाया और अब केंद्र सरकार ने इस शर्त को हटा दिया है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा हिमाचल प्रदेश में निवेश के नाम पर इन्वेस्टमेंट ड्रेन हुआ है। हिमाचल में बनी जल विद्युत परियोजनाओं में राज्य के हितों का ध्यान नहीं रखा गया है। पानी और भूमि हिमाचल प्रदेश का है और इन प्राकृतिक संसाधनों का दोहन कर कई कंपनियाँ सालाना हजारों करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित कर रही हैं, लेकिन हिमाचल प्रदेश को इन परियोजनाओं में नाममात्र की ही हिस्सेदारी मिल रही है, जो राज्य के लोगों के साथ अन्याय है। प्रदेश को उसका अधिकार मिलना चाहिए और इस विषय को वर्तमान राज्य सरकार मजबूती से हर मंच पर उठा रही है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार के गठन के बाद से ही जल विद्युत परियोजनाओं में भी ज्यादा रॉयल्टी की माँग की जा रही है। बीबीएमबी द्वारा संचालित भाखड़ा बांध परियोजना, ब्यास सतलुज लिंक व पौंग बांध परियोजना में किसी प्रकार की मुफ्त बिजली की रॉयल्टी नहीं दी जा रही है। इसके कारण प्रदेश सरकार को प्राप्त होने वाले राजस्व से वंचित होना पड़ रहा है। बीबीएमबी की इन परियोजनाओं में प्रदेश सरकार को हिस्सेदारी के रूप में केवल मात्र 7.19 प्रतिशत बिजली प्रदान की जा रही है, जो पर्याप्त नहीं है। राज्य सरकार इन परियोजना में अधिक हिस्सेदारी की माँग कर रही है।इसके साथ-साथ वर्तमान में एसजेवीएनएल द्वारा संचालित नाथपा झाकड़ी परियोजना व रामपुर परियोजना से प्रदेश को केवल 12 प्रतिशत की दर पर मुफ्त बिजली प्राप्त हो रही है एसजेवीएनएल को इन ऋण मुक्त हो चुकी परियोजनाओं से लाभ मिल रहा है।

22 करोड़ से बुझेगी लाहुल की प्यास, जल जीवन मिशन योजना के तहत बजट स्वीकृत

टीम एक्शन इंडिया/केलांग/अंगारिया

अब सर्दियों में केलांग व आसपास के क्षेत्रों में पानी नहीं जमेगा, विभाग नई तकनीक की मदद से पानी की सप्लाई करेगा। लोगों को पानी की किल्लत से दो चार नहीं होना पड़ेगा। प्रदेश सरकार के समक्ष लाहुल स्पीति में पानी की समस्या को प्राथमिकता के अधार पर रखने वाले स्थानीय विधायक रवि ठाकुर आखिरकार जल शक्ति विभाग को भारी भरकम बजट दिलवाने में कामयाब हो ही गए। भले ही यह बजट जल जीवन मिशन के तहत लाया गया हो। विधायक रवि ठाकुर ने प्रदेश सरकार के समक्ष लाहुल स्पीति की पानी की समस्या को रखते हुए बताया था कि सर्दियों में लाहुल में तापमान माइन्स 25 से 30 होने के कारण पानी की पाइपें जाम हो जाती हैं या यूं कहें कि पाइपों में ही पानी जम जाता है, तो वहीं लोगों को पानी की बुंद बुंद के लिए तरसना पड़ता है। उन्होंने सरकार से ये मांग भी की थी कि विदेश की नई तकनीक की मदद लेते हुए लाहुल स्पीति के लोगों को सर्दियों में बिना जमे पानी उपलब्ध करवाया जाए। ऐसे में जहां सरकार ने विधायक रवि ठाकुर की उक्त मांग को मानते हुए जहां हाल ही में जल शक्ति विभाग के लाहुल स्पीति में तैनात अधिकारियों को लद्दाख अपने अन्य अधिकारियों के दल के साथ भेजा थाए वहीं लद्दाख में अपनाई जाने वाली नई तकनीक को करीब से जांच परखने के बाद अब लाहुल स्पीति में भी इसे इस्तेमाल किया जाएगा।

कांग्रेस पर भड़की ममता कांग्रेस को भाजपा के खिलाफ लड़ाई में टीएमसी से राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन की उम्मीद नहीं करनी चाहिए

पंचायत चुनाव में हिंसा के झूठे आरोप न फैलाए कांग्रेसः ममता

टीम एक्शन इंडिया/नामखाना

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा और दूसरी विपक्षी पार्टियों पर उनके खिलाफ दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया है। भाजपा द्वारा बंगाल के पंचायत चुनाव में हिंसा के आरोप लगाने पर ममता ने पलटवार किया है।

पंचायत चुनाव में शांति का दावा: ममता ने कहा कि नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण है, लेकिन विपक्षी दल जानबूझकर छिटपुट घटनाओं को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी भांगोर का दौरा करने के बाद कहा था कि राज्य में राजनीतिक हिंसा समाप्त होनी चाहिए, जहां एक दिन पहले दो दलों के समर्थक आपस में भिड़ गए थे, जिसमें तीन की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री ममता ने राज्यपाल के बयान पर जवाब देते हुए कहा- बंगाल के अलावा कोई अन्य राज्य नहीं है जहां पंचायत चुनाव नामांकन प्रक्रिया इतनी शांतिपूर्ण है। विपक्षी दल सीपीआई (एम), कांग्रेस, बीजेपी और आईएसएफ नामांकन अभ्यास के दौरान एक या दो घटनाओं पर हमें दोष देने की कोशिश कर रहे हैं।

2024 में साथ मिलने की उम्मीद न करे कांग्रेसः ममता दो महीने लंबे चले 'तृणमूल एह नबोजोवर' (तृणमूल में नई लहर) के समापन सत्र को संबोधित कर रही थीं। बनर्जी ने भाजपा और माकपा के साथ सुर मिलाने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि अब कांग्रेस पार्टी को भाजपा के खिलाफ लड़ाई में टीएमसी से राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

इससे पहले, राज्यपाल ने संवाददाताओं से कहा था कि बंगाल के कुछ हिस्सों में कुछ अवांछित घटनाएं हुई हैं। भांगोर में स्थिति का जायजा लेने के बाद उन्होंने कहा कि किसी भी हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और हमें इसे समाप्त करना होगा।